फाल्गुन माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 55, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 20 मार्च 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

पंजाब में मान कैबिनेट ने ली शपथ

पंजाब कैबिनेट की पहली बैठक में 25 हजार सरकारी नौकरियां देने का प्रस्ताव पारित, 9 मंत्री करोड़पति तो 2 लखपति; औसत उम्र 46 साल; सबकी संपत्ति चन्नी सरकार के मंत्री राणा से आधी भी नहीं

CM भगवंत मान से ज्यादा अमीर उनके 6 मंत्री

नोट : चन्नी सरकार में सबसे अमीर मंत्री राणा गुरजीत (170 करोड़ रुपए) थे। दूसरे नंबर पर वित्तमंत्री मनप्रीत बादल (46 करोड़) और तीसरे नंबर पर डिप्टी सीएम ओपी सोनी (18 करोड़) थे। सबसे कम संपत्ति राजकुमार वेरका (1.57 करोड़) की थी। चन्नी की संपत्ति 14 करोड़ थी।)

चंडीगढ़: पंजाब कैबिनेट की पहली बैठक में रोजगार पर बड़ा फैसला लिया गया। कैबिनेट मीटिंग के बाद भगवंत मान ने बताया कि पंजाब कैबिनेट ने कुल 25 हजार सरकारी नौकरियां प्रदान करने का प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें पंजाब पुलिस विभाग में 10 हजार रिक्तियां और अन्य सरकारी विभागों में 15 हजार रिक्तियां शामिल हैं। इससे पहले चंडीगढ़ में 10 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। सबसे पहले हरपाल चीमा ने शपथ ली। समारोह में मुख्यमंत्री भगवंत मान के बेटा और बेटी भी वीवीआईपी की अगली पंक्ति में मौजूद रहे। चीमा के बाद मलोट की विधायक डॉ. बलजीत कौर ने मंत्री पद की शपथ ली। पेशे से नेत्र सर्जन डॉ. बलजीत कौर मंत्रिमंडल में इकलौती महिला हैं। वे पूर्व आप सांसद साधु सिंह की बेटी हैं। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मैं पंजाब के लोगों और पार्टी आलाकमान को धन्यवाद देती हूं। यह आप की अच्छी मानसिकता है कि उन्होंने एक महिला को कैबिनेट में शामिल किया है। तीसरे नंबर पर हरभजन सिंह ईटीओ ने शपथ ली। इसके बाद मानसा से सिद्धू मूसेवाला को हराने वाले डॉ. विजय सिंगला ने मंत्रीपद की शपथ उठाई। भोआ से विधायक बने लालचंद कटारूचक्क ने शपथ ले ली है। बरनाला के विधायक गुरमीत सिंह मीत हेयर ने मंत्री पद की शपथ ली। मीत हेयर ने कहा कि मैं पार्टी नेताओं का आभारी हूं। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे ईमानदारी से निभाऊंगा। इसके बाद कुलदीप सिंह धालीवाल ने शपथ उठाई। धालीवाल ने कहा कि हम पंजाब के लोगों के लिए ईमानदारी से काम करेंगे। उनके बाद लालजीत भुल्लर और ब्रह्म शंकर जिंपा ने भी मंत्रीपद की शपथ ली। सबसे अंत में हरजोत सिंह बैंस ने मंत्रीपद की शपथ ली। शपथ लेने के बाद हरजोत बैंस ने कहा कि हमें बड़ी जिम्मेदारी मिली है। इसके अलावा कोटकपूरा से विधायक कुलतार संधवां विधानसभा को स्पीकर बनाया जाएगा। संधवां ने इसकी जानकारी खुद ट्वीट कर दी। इसके साथ ही उन्होंने अरविंद केजरीवाल और सीएम भगवंत मान का आभार जताया।

मान मंत्रिमंडल में वकील-डॉक्टर-इंजीनियर से लेकर किसान तक

चंडीगढ़: पंजाब में भगवंत मान मंत्रिमंडल का गठन होगा। मान कैबिनेट के दस मंत्रियों ने शपथ लीं। शुक्रवार रात को ही मुख्यमंत्री मान ने अपने कैबिनेट सहयोगियों की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। मान के इस मंत्रिमडंल में लगातार दूसरी बार जीते दो विधायक शामिल हैं।

डॉक्टर-इंजीनियर, वकील और किसान बने मंत्री: मान मंत्रिमंडल में तीन वकील, दो-दो डॉक्टर और किसान शामिल हैं। वहीं, एक-एक इंजीनियर, बिजनेसमैन और समाजसेवी को भी जगह मिली है। कैबिनेट में शामिल इकलौती महिला मंत्री डॉक्टर बलजीत कौर नेत्र सर्जन हैं। चुनाव से पहले वे सरकारी नौकरी छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुई हैं। कौर के पिता प्रोफेसर साधु सिंह 2014 में फरीदकोट से आप के सांसद रह चुके हैं।

युवा चेहरों को मौका: भगवंत मान कैबिनेट में युवा चेहरों को तरजीह दी गई है। अजनाला से जीते 60 साल के कुलदीप सिंह धालीवाल मान कैबिनेट के सबसे बुजुर्ग मंत्री हैं। नए मंत्रिमंडल की औसत उम्र 46 साल 11 महीने है। मुख्यमंत्री समेत कुल 11 मंत्रियों में 31 साल के हरजोत सिंह भगवंत मान सबसे युवा मंत्री हैं। 32 साल के गुरमीत सिंह मीत हेयर दूसरे तो 40 साल के लालजीत सिंह भुल्लर तीसरे सबसे युवा मंत्री हैं। मंत्रिमंडल में शामिल छह मंत्रियों को उम्र पचास साल से कम है। इनमें 46 साल की डॉक्टर बलजीत कौर, 47 साल के हरपाल चीमा और 48 साल के मुख्यमंत्री भगवंत मान शामिल हैं। 50 साल से अधिक उम्र के पांच मंत्रियों में 51 साल के लाल चन्द, 52 साल के विजय सिंगला, 53 साल के हरभजन सिंह ईटीओ, 56 साल के ब्रम शंकर और 60 साल के कुलदीप सिंह धालीवाल शामिल हैं।

दो मंत्री 10वीं पास तो दो 12वीं पास

भगवंत मान मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों में दो मंत्री केवल दसवीं पास हैं। 10वीं पास मंत्रियों में अजनाला से जीते कुलदीप सिंह धालीवाल और भोआ से जीते लाल चन्द शामिल हैं। चुनावी हलफनामे में धालीवाल ने खुद को किसान तो लाल चन्द को खुद को समाजसेवी बताया है। 12वीं पास मंत्रियों में पट्टी से जीते लाल जीत सिंह भुल्लर और होशियारपुर से जीते ब्रम शंकर शामिल हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान भी 12वीं पास हैं।

सीएम भगवंत मान समेत 7 मंत्रियों पर चल रहे मुकदमे

कैबिनेट में शामिल 11 मंत्रियों में से सात पर आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं। इनमें मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल हैं। मान पर सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और सरकारी कर्मचारी को चोट पहुंचाने का आरोप है। जिन सात मंत्रियों पर मुकदमे चल रहे हैं उनमें से पांच पर एक-एक केस दर्ज है। वहीं, लाल जीत सिंह भुल्लर पर तीन और गुरमीत मीत हेयर पर 5 मुकदमे चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री समेत 9 मंत्री करोड़पति: कैबिनेट में शामिल 10 में से आठ मंत्री करोड़पति हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान भी करोड़पति हैं। यानी, कैबिनेट में कुल 9 करोड़पति मंत्री हैं। सिर्फ लाल चन्द और गुरमीत मीत हेयर ऐसे मंत्री हैं जो करोड़पति नहीं हैं। लाल चन्द कैबिनेट के सबसे गरीब मंत्री हैं। उनके पास केवल 6.19 लाख रुपये की संपत्ति है। वहीं गुरमीत मीत हेयर के पास 44.06 लाख की संपत्ति है। ब्रम शंकर कैबिनेट के सबसे अमीर मंत्री हैं। 56 साल के शंकर के पास 8.56 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति है।

जापान के प्रधानमंत्री किशिदा ने मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली: जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने शनिवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

दोनों नेताओं ने इस दौरान द्विपक्षीय आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए ट्वीट किया, जापान के साथ दोस्ती को आगे बढ़ाना। प्रधानमंत्री मोदी और किशिदा ने नई दिल्ली में उपयोगी बातचीत की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की।

इससे पहले 14वीं भारत-जापान वार्षिक शिखर वार्ता में शामिल होने के लिए किशिदा आज भारत के दो दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे।

जहां हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी बैष्णव ने उनकी आगवानी की।

बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाए केन्द्र: राहुल गांधी

नई दिल्ली: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई पर केन्द्र सरकार को लगाम लगाने की जरूरत है। लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि देश में महंगाई रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले ही चरम पर थी। इस बढ़ती महंगाई ने गरीब और मध्यम वर्ग को तबाह कर दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। अभी कच्चे तेल की कीमत प्रति बैरल 100 डॉलर को पार कर चुकी है। ऐसे में महंगाई और बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को आम लोगों के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। बढ़ती महंगाई आम भारतीय के लिए टैक्स साबित हो रही है।

उप्र: भाजपा ने विप चुनाव के लिए 30 उम्मीदवारों की सूची जारी की

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद (विप) की 36 सीटों पर हो रहे चुनाव के लिए 30 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस सूची में तीन महिलाओं को भी टिकट दिया है। भाजपा महासचिव अरुण सिंह ने शनिवार को उम्मीदवारों की सूची जारी की। उन्होंने बताया कि केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उम्मीदवारों के नाम को मंजूरी प्रदान की गई।

उम्मीदवारों के नाम इस प्रकार हैं: मुरादाबाद-बिजनौर स्थानीय प्राधिकरण से।

शिक्षा, प्रशासन का माध्यम, मातृभाषा होना आवश्यक : नायडू

नई दिल्ली: उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शनिवार को कहा कि शिक्षा, प्रशासन और न्यायपालिका में मातृभाषाओं के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाना जरूरी है। उन्होंने मैकालेवादी शिक्षा प्रणाली से आजादी को आवश्यक बताते हुए कहा कि सदियों की गुलामी ने भारतीय परंपरा में शिक्षा और शिक्षण के गंभीर विमर्श को भुला दिया है।

उपराष्ट्रपति नायडू ने कहा कि आजादी के अमृत काल में यह अपेक्षित है कि हम प्राचीन शिक्षा पद्धति को, समुदायों में निहित ज्ञान परंपरा को खोजें, उन पर शोध करें और उसे आधुनिक संदर्भों में प्रासंगिक बनाएं। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने पारिवारिक परिवेश, अपने परिवार के बुजुर्गों से संस्कारों की शिक्षा प्राप्त करें। अपने चतुर्दिक प्राकृतिक परिवेश से सीखें। नायडू ने कहा कि एक बेहतर भविष्य के लिए प्रकृति और संस्कृति से शिक्षा लेना जरूरी है। उन्होंने अहवाहन किया कि हम अपने मूल संस्कारों से मार्गदर्शन लें। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य शिक्षा का भारतीयकरण करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के भारतीयकरण पर उन्हीं लोगों को आपत्ति है।

हिजाब मामला: सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

बोर्ड की लीगल कमेटी और सचिवों के साथ होने वाली बैठक में लिया गया फैसला

नई दिल्ली: ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कर्नाटक हाईकोर्ट के हिजाब पर दिए गए फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने का फैसला लिया है। बोर्ड के महासचिव खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने बताया है कि बोर्ड की लीगल कमेटी और तमाम सचिवों के साथ गत दिनों होने वाली आनलाइन बैठक में बोर्ड ने कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श करने के बाद इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला लिया है। इसके साथ ही बोर्ड ने मुसलमानों से संयम बरतने और इस तरह के मामलों में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने की बात कही है। बोर्ड ने यह भी कहा है कि मुसलमानों को कानून हाथ में नहीं लेना चाहिए। बोर्ड ने कर्नाटक की उन छात्राओं की प्रशंसा भी की है, जिन्होंने इस्लाम और शरीयत को अहमियत देते हुए हिजाब पहनकर स्कूल आने से मना करने पर इसका विरोध किया है। कहा गया कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का गठन शरीयत और मुस्लिम पर्सनल लॉ के संरक्षण के लिए किया गया है। बोर्ड की तरफ से मुसलमानों पर जब-जब किसी भी तरह की कोई परेशानी आती है और मुस्लिम पर्सनल लॉ और शरीयत में हस्तक्षेप आदि किया जाता है तो इसका खुलकर विरोध करता है। साथ ही अदालतों में इसके खिलाफ लड़ाई लड़ता है।

आई-20 कार ने मजदूर को उड़ाया, मौत

नई दिल्ली: नई दिल्ली जिले के चाणक्यपुरी इलाके में देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। तेज रफ्तार आई-20 कार ने पहले एक मजदूर को टक्कर मारी, फिर खड़े ट्रक के पीछे घुस गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि मजदूर फिल्मी सीन की तरह हवा में उछलकर ट्रक के पाइप में जा गिरा। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल मजदूर समेत तीनों लोगों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने मजदूर को मृत घोषित कर दिया। जबकि दो लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। मृतक की पहचान अब्दुल रसीद (60) के रूप में हुई है। वहीं चाणक्यपुरी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर कार चालक नमन (24) को हिरासत में लिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में राम चन्द्र (53) ने बताया कि वह मिंटो रोड़ में रहता है और सीपीडब्लूडी के कांट्रेक्टर जोगिन्द्र के पास काम करता है। जोगिन्द्र को वीवीआईपी रूट पर झंडे व पाइप डालने का कॉन्ट्रैक्ट मिला हुआ है।

यूक्रेन: कई शहरों में बरसे बम, मानवीय सहायता को दस गलियारे

कीव: यूक्रेन पर रूसी हमले के 24वें दिन यूक्रेन के कई शहरों में बम बरसे, जिसमें न सिर्फ ढांचागत नुकसान हुआ, बल्कि तमाम लोगों की जानें भी गयीं। इस बीच यूक्रेन और रूस के बीच मानवीय सहायता के लिए दस गलियारे बनाने पर भी सहमति बनी है। यूक्रेन की उप प्रधानमंत्री इरिना वेरेश्चुक ने शनिवार को कहा कि रूस के साथ दस मानवीय गलियारे (ह्यूमैनिटेरियन कॉरीडोर) बनाने पर सहमति बनी है। इनमें मारियुपोल, कीव के बहुत से क्षेत्र और लुहांस्क के इलाके शामिल हैं। उन्होंने खेरसान शहर तक भी मानवीय सहायता पहुंचाने की योजना की घोषणा की जो अभी रूस के कब्जे में है। इस बीच यूक्रेनी शहरों पर रूसी हमले तेजी से जारी हैं। दक्षिणी यूक्रेन के जापोरिज्जिया शहर के डिप्टी मेयर अनातोली कुर्तिएव ने बताया कि जापोरिज्जिया के उपनगरीय इलाके में हुई तेज गोलाबारी में नौ लोग मारे गए हैं, जबकि 17 घायल हो गए हैं। इस घटना के बाद यूक्रेनी सेना ने जापोरिज्जिया में 38 घंटे का कर्फ्यू लगा दिया है। कर्फ्यू शनिवार से शुरू होकर सोमवार को खत्म होगा। उन्होंने लोगों से इस दौरान घरों व सुरक्षित स्थानों से बाहर न निकलने को कहा है।

एक अन्य शहर माइकोलैव में भी रॉकेट हमले किये गए हैं। रूसी सेनाओं ने 79वीं सेपरेट एयरबोर्न असॉल्ट ब्रिगेड को निशाना बनाया है। इस हमले में कम से कम 40 लोगों के मारे जाने की जानकारी सामने आई है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसने यूक्रेन के एक बड़े भूमिगत हथियारों के डिपो पर हाइपरसोनिक मिसाइल से हमला किया है। इस हमले में यूक्रेन की मिसाइलें और एयरक्राफ्ट से जुड़े हथियार नष्ट हो गए हैं।

हॉन्गकॉन्ग में कोरोना का कोहराम: शव रखने की जगह नहीं

हांगकांग: जानलेवा कोरोना वायरस के कारण हॉन्गकॉन्ग में स्थिति भयावह हो गई है। यहां रोजाना 20 हजार से अधिक मामले सामने आ रहे हैं और 250 से अधिक मौतें हो रही हैं। स्थिति यह हो गई है कि शवों को रेफ्रिजेरेटेड शिपिंग कंटेनरों में रखना पड़ रहा है क्योंकि यहां ताबूत खत्म हो गए हैं या बहुत मुश्किल से मिल रहे हैं। बढ़ते संकट को देखते हुए लोगों को घर में रहने की सलाह दी गई है। डराने वाली बत यह है कि यहां 97 फीसदी केस पांचवीं लहर में आई है।

हॉन्गकॉन्ग की आबादी के औसत से निकाला जाए तो यह माना जा सकता है कि भारत जितनी आबादी होने पर वहां मौजूदा हालात में हर रोज 35 लाख से ज्यादा पॉजिटिव केस आ रहे होते।

खबर संक्षेप

जंघई-मछलीशहर मार्ग को डबल लेन करने के लिए धन स्वीकृत होने से क्षेत्रवासियों में हर्ष

जंघई। जंघई-मछलीशहर मार्ग को डबल लेन करने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से 640 करोड़ रुपये स्वीकृत कर दिया गया है। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में हर्ष व्याप्त है।बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय राजमार्ग मछलीशहर से बंधवा बाजार, जंघई, दुगर्गंज, सुरियावां, भदोही होते हुए वाराणसी को जोड़ने वाली सड़क (ळट्-731इ)को डबल लेन बनाने के बजट जारी होने पर नागरिकों में हर्ष व्याप्त है।इस सड़क के निर्माण के लिए 640.18 करोड़ रुपए की राशि जारी होने की जानकारी केन्द्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट कर दी। बीते 20 दिसम्बर को मछलीशहर में एक जनसभा को संबोधित करते समय इस सड़क का शिलान्यास उन्होंने किया था। इसी जनसभा में उन्होंने कहा था कि आने वाले 5 वर्षों में वे उत्तर प्रदेश में यूरोपीय ही नहीं बल्कि अमरीकी मानक की सड़कें बनाकर दिखायेंगे उनके मंत्रालय के पास पैसे की कोई कमी नहीं है।मछलीशहर से जंघई तक की सड़क वर्तमान में अत्यंत जर्जर स्थिति में है।जंघई स्टेशन के जंक्शन होने के कारण यह सड़क जनपद जौनपुर की व्यस्ततम सड़कों में से एक। इस सड़क के बन जाने से जनपद जौनपुर और जनपद भदोही के यात्रियों के लिए सहूलियत होगी। उल्लेखनीय है कि इस सड़क के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के लिये भारत सरकार का राजपत्र बीते दिसम्बर महीने में ही जारी हो चुका है। 90 के दशक से ही इस सड़क के चौड़ीकरण की मांग बहुप्रतीक्षित थी।

होली पर्व पर प्रयागराज में हुआ डबल मर्डर, 6 पुलिस कर्मी सस्पेंड

घटना के बाद लोगों से बातचीत करते आईजी

घटनास्थल का निरीक्षण करते वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

घटना के बाद पुलिस बल के साथ मौजूद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अल्लापुर डांडी में शुक्रवार को आपसी विवाद में 2 लोगों की हत्या हो गई। विवाद के दौरान राहुल को संजय ने गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं संजय को लोगों ने पकड़कर इतना पीटा की उसकी भी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी पर एसएसपी अजय कुमार, एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह सहित कई थानों की फोर्स पहुंच गई। घटना के बाद 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। राहुल (उम्र 30) झूंसी में पत्नी ममता व 2 बच्चों के साथ रहता था। उसकी मां व छोटी बहन व भाई अल्लापुर के डंडिया में रहते हैं। सुबह राहुल मां से मिलने के लिए आया था। किसी बात को लेकर मां से राहुल का विवाद हुआ। इस पर मोहल्ले के रहने वाले संजय ने हस्तक्षेप किया। राहुल ने आपसी मामला होने पर संजय को फटकार लगाई। इसके बाद दोनों के बीच गाली-गलौज के बाद मारपीट हो गई।

घटना से पहले पुलिस ने कराया था मामला शांत

राहुल व संजय के बीच हुए विवाद और मारपीट की सूचना किसी ने 112 नंबर पर दी थी। पुलिस ने मामले को शांत कराते हुए वहां से चली गई। इसके बाद राहुल अपने कुछ दोस्तों के साथ पास में रेलवे लाइन पर बैठकर शराब पी रहा था। तभी संजय कट्?टा लेकर पहुंचा और राहुल पर सीधे दाग दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसकी जानकारी होते ही लोग आक्रोशित हो गए और संजय को पकड़कर पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। जानकारी होने पर पुलिस पहुंची उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

5 टीम जांच के लिए गठित

एसएसपी अजय कुमार ने बताया कि शराब के नशे में गोली चली है। जिसमें राहुल को गोली लगी है। शोर सुन मोहल्ले के लोग बाहर आ गए। संजय राजपूत को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। परिजन अस्पताल लेकर गए जहां उनकी मौत हो गई। दोनों पक्षों से तहरीर मिल गई है। दोनों का मुकदमा किया जा रहा है। जांच के लिए 5 टीमों का गठन हुआ है। जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी। बीट आरक्षी गण के रूप में कार्यरत जितेंद्र व मनीष, पीआरवी 4522 के आरक्षी अजय पासवान व एक अन्य पुलिसकर्मी श्याम जी यादव समेत 6 पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया।

लकड़ मंडी में चली गोली दो लोगों की मौत

अखंड भारत संदेश

मौके पर पुलिस कर रही छानबीन

एसआरएन हॉस्पिटल पर मौजूद भीड़ व तैनात पुलिस बल

प्रयागराज। होली पर्व के दूसरे दिन शनिवार को दो युवकों की हत?या कर दी गई। खुल्दाबाद स्थित लकड़ मंडी इलाके में शनिवार अपराहन दो युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ और फिर फायरिंग शुरू हो गई। इसमें दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए शहर के स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में भर्ती कराया गया है। बताते चलें कि शहर के खुल?दाबाद थाना क्षेत्र में दोहरे हत?याकांड की घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के आला अधिकारियों समेत कई थानों की फोर्स घटनास्थल के साथ ही एसआरएन अस्पताल पहुंची। मामले की जांच की जा रही है। फौरी तौर पर इस वारदात के पीछे रंग लगाने का विवाद सामने आ रहा है।खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के लकड़मंडी इलाके के रहने वाले दुर्गेश 28 और विनोद 32 शनिवार को होली के दिन कई साथियों के साथ बैठकर मोहल्ले में ही शराब पी रहे थे। अचानक दुर्गेश और विनोद के बीच किसी बात को लेकर विवाद होने लगा। देखते ही देखते दोनों मारपीट करने लगे। इसी बीच फायरिंग शुरू हो गई और गोली दुर्गेश, विनोद और उनके एक साथी को लग गई।फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे तो तीनों तड़प रहे थे। आनन-फानन में तीनों को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल ले जाया गया। वहां डाक्टरों ने दुर्गेश और विनोद को मृत घोषित कर दिया। इसमें दुर्गेश भाजपा का कार्यकर्ता बताया जाता है। वही प्रयागराज एसएसपी ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे के आसपास लकड़ मण्डी के पास एक गली में होली खेली जा रही थी। इसी बीच गली के ही दो पड़ोसियों दुर्गेश चौहान और विनोद चौहान पक्षों में गाली गलौज, विवाद और फायरिंग की घटना हुई। जिसमें एक पक्ष से विनोद चौहान, रानी चौहान और चिंटू चौहान को चोटें आईं, दूसरे पक्ष से दुर्गेश चौहान घायल हुए। अचानक हुई इस घटना की सूचना पर तत्काल सीओ सिटी, एसपी सिटी मय फोर्स पहुँचे। मेरे द्वारा भी मौका मुआयना किया गया। अस्पताल पहुँचने पर दुर्गेश चौहान और विनोद चौहान की मृत्य हो गई तथा दो अन्य घायलों रानी चौहान और चिंटू चौहान का इलाज जारी है, वे दोनों खतरे से बाहर हैं।प्रकरण में तहरीर प्राप्त की जा रही है। दोनों पक्षों के बीच पूर्व में किसी रंजिश की बात अब तक प्रकाश में नहीं आई है। तत्काल मुकदमा दर्ज कर कठोरतम कार्यवाही की जाएगी। किसी भी दोषी को कतई बख्शा नहीं जाएगा।

अजय कुमार, एसएसपी प्रयागराज।

इलाहाबाद स्थानीय निकाय प्राधिकरण क्षेत्र से डॉ के.पी. श्रीवास्तव भाजपा प्रत्याशी घोषित

पसना। प्रयागराज के पूर्व महापौर डॉ के.पी.श्रीवास्तव को भारतीय जनता पार्टी ने इलाहाबाद स्थानीय निकाय प्राधिकरण क्षेत्र से सदस्य विधान परिषद हेतु उम्मीदवार बनाया है।गौरतलब है कि डॉ श्रीवास्तव पूर्व में एशिया के सबसे बड़े ट्रस्ट के.पी.ट्रस्ट के निर्वाचित अध्यक्ष रह व पूर्व नगर प्रमुख रह चुके है।डॉ के.पी.श्रीवास्तव व उनकी पत्नी डॉ रेखा श्रीवास्तव नगर के मशहूर चिकित्सक दम्पति है। डॉ के.पी. श्रीवास्तव को उम्मीदवार बनाये जाने पर कोरांव ब्लाक के सभी प्रधान,क्षेत्र पंचायत सदस्यों व क्षेत्रीय जनों वीरेंद्र यादव,विवेक मिश्र, सुधाकर, अशोक सिंह, आफताब, अनिल मिश्र पूर्व मंत्री भाजपा यमुनापार आदि ने बधाई दी है।

होली में रंग की जगह आंख में डाला बैटरी का पानी, आंख की चली गई रोशनी

खुला रहा मनोहर दास आई हॉस्पिटल, होता रहा ऑपरेशन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। में दो दिनों से होली का जश्न मनाया जा रहा है। होली में कई ऐसे लोग अस्पताल पहुंचे जिनकी आंखें खराब हो गई है। ऐसा ही एक केस शनिवार को मनोहर दास नेत्र संस्थान में मिला। यहां एक युवक इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर के पास पहुंचता है और बताता है कि किसी ने होली के दौरान उसकी आंखों में बैटरी का पानी फेंक दिया।

यह सुनकर डॉक्टर भी अचंभित हो गए और तत्काल इलाज शुरू कराया। डॉक्टरों ने बताया कि बैटरी का पानी खतरनाक होता है, आंख में बैटरी का पानी जाने से आंख की रोशनी चली गई। यहां शुक्रवार और शनिवार दोपहर तक 50 से ज्यादा ऐसे लोग इलाज कराने पहुंचे थे, जिनकी आंखों में रंग चला गया। अस्पताल के निदेशक डॉ. एसपी सिंह ने बताया कि होली पर आंख के मरीज अस्पताल में ज्यादा पहुंचते हैं इसलिए यहां 24 घंटे इमरजेंसी सेवा चलाई गई है।

मनोहर दास आई हॉस्पिटल में ऑपरेशन करते डॉक्टर

रंग से बचा कर रखें, नाजुक होती हैं आंखें

तेज बहादुर सपू अस्पताल के नेत्र सर्जन डॉ. आरके गुप्ता कहते हैं आंखें बहुत ही नाजुक होती हैं इसलिए हमें अपनी आंखों को बचाकर रखने की जरूरत है। होली खेलते समय लोग यह भूल जाते हैं कि उन्हें अपनी आंखों की सुरक्षा किस तरह से करनी है। होली में कई ऐसे लोग अस्पताल पहुंचते हैं जिनकी आंखों की रोशनी ही चली जाती है। इसलिए जब भी होली खेलें तो यह ध्यान रखें कि रंग उनकी आंखों पर बुरा असर डालता है।

असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी के 162 पदों पर भर्ती का परिणाम घोषित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (यूपीएचईएससी) ने प्रदेश के अशासकीय महाविद्यालयों में हिंदी विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर के 162 पदों पर भर्ती का अंतिम चयन परिणाम घोषित कर दिया है। 9 से 16 मार्च तक आयोजित इंटरव्यू के आधार पर यह परिणाम जारी किया गया है।इंटरव्यू में 652 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, जिनमें से 623 ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अभी 46 विषयों के इंटरव्यू बाकी हैं, जिनका कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है। विषयवार इंटरव्यू पूरे होने के साथ ही उनके परिणाम भी उसी क्रम में जारी किए जाएंगे।प्रदेश के अशासकीय महाविद्यालयों में विज्ञापन संख्या 50 के तहत 47 विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 2002 पदों पर भर्ती होनी है। इसके लिए लिखित परीक्षा पिछले साल अक्तूबर-नवंबर में आयोजित की गई थी। लिखित परीक्षा के आधार पर अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया। और इसके बाद आयोग उनके अभ्यर्थन पर कोई विचार नहीं करेगा।

आयोग के पोर्टल पर भी उपलब्ध है परिणाम

हिंदी विषय के अभ्यर्थियों को सबसे पहले इंटरव्यू के लिए आमंत्रित किया गया। आयोग ने आठ दिनों में हिंदी विषय के अभ्यर्थियों का इंटरव्यू पूरा करते हुए अंतिम चयन परिणाम जारी कर दिया है। परिणाम आयोग के पोर्टल और वेबसाइट पर उपलब्ध है।आयोग की सचिव वंदना त्रिपाठी के अनुसार जिन अभ्यर्थियों ने इंटरव्यू के दौरान वांछित अभिलेख आयोग कार्यालय में उपलब्ध नहीं कराए थे, उनका चयन औपबंधिक रूप से किया गया है। औपबंधिक रूप से चयनित अभ्यर्थियों को अंतिम चयन परिणाम घोषित होने के 21 दिनों के भीतर यानी 7 अप्रैल तक आयोग कार्यालय में उपलब्ध कराना है। अगर इस दौरान अभ्यर्थी अपने दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराते हैं तो उनका चयन स्वतः है निरस्त हो जाएगा।

बीमारी से तंग विवाहिता ने ट्रेन के सामने कूदकर दी जान

घूरपुर। बीमारी से तंग एक विवाहिता ने शनिवार की सुबह ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घूरपुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर गांव बलवंत चमार की पत्नी साधना (35) की दो बेटियां हैं। साधना इधर कई वर्षों से बीमार रहा करती थी । बीमारी के चलते इधर कई दिनों से साधना बहुत परेशान रहा करती थी । बताया गया कि दो दिन पूर्व ही साधना ने अपने भाई को फोन करके बताया था कि अब वह जिंदा नहीं रहना चाहती । भाई बहन साधना के घर पहुंचकर उसे ढाढस बताया कि परेशान मत हो इलाज होगा और ठीक हो जाएगी । लेकिन बहन ने कहा कि अब दोनो बेटियों का ध्यान रखना । भाई समझा बुझाकर घर चला गया । इधर शनिवार की सुबह साधना बेटियों को चाय बनाकर पिलाया और घर से निकल कर बादलगंज गांव के सामने स्थित रेलवे लाइन पर पहुंची और ट्रेन के सामने कूदकर आत्म हत्या कर ली। सूचना परिजनों को हुई तो कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कीडगंज पुलिस की कस्टडी से भागा बमबाज, गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कीडगंज पुलिस की कस्टडी से एक शातिर अपराधी भाग निकला। जेल परिसर के अंदर हुई इस घटना से हड़कंप मच गया। कीडगंज और नैनी पुलिस ने नाकेबंदी की और देर रात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कीडगंज पुलिस ने 17 मार्च को करबला निवासी अभिषेक विश्वकर्मा और राजरूपपुर निवासी संदीप मंगता को चार देसी बम के साथ गिरफ्तार किया था। दोनों पहले भी सिविल लाइन्स थाने से जेल जा चुके हैं। इन पर आरोप था कि यात्रियों को विक्रम में बैठाने के बहाने उनका सामान लूट लेते थे। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया और उन्हें विक्रम से लेकर नैनी जेल दाखिल करने जा रही थी। कीडगंज थाने से दीवान विक्रमाराम और सिपाही विजय की ड्यूटी लगी थी। बताया जा रहा है कि नैनी जेल गेट परिसर के अंदर पहला बैरियर पार करने के बाद जेल गेट के पास गाड़ी पहुंचने वाली थी कि अचानक से अभिषेक विश्वकर्मा सिपाही का हाथ छुड़ाकर कूद गया और भाग निकला। उसकी इस हरकत से वहां हड़कंप मच गया। नैनी पुलिस को सूचना दे दी गई। चारों तरफ से नाकाबंदी की गई। पुलिस को लगा कि जेल परिसर के अंदर ही वह कहीं छुपा होगा। इधर, पुलिस की एक टीम अभिषेक के घर भी पहुंच गई और उसके परिजनों को उठा लाई लेकिन वह घर नहीं पहुंचा था। देर रात पुलिस ने नैनी इलाके में अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद दीवान विक्रमाराम ने अभिषेक के खिलाफ नैनी थाने में पुलिस हिरासत से भागने का एक और मुकदमा दर्ज कराया। 18 मार्च को पुलिस ने उसे जेल भेज दिया।

होली पर हुड़दंग मचाने वाले 10 लोगो पर शांतिभंग में चालान

घूरपुर। होली के दिन नशे में हुड़दंग मचाकर शांति व्यवस्था भंग करने वाले क्षेत्र के अलग अलग गांवो के दस उपद्रवियों को पुलिस ने पकड़कर शांतिभंग की धारा में चालान किया है। घूरपुर थाना क्षेत्र के बिरवल व बीकर ,गडरा ,पालपुर बगिया गांव में होली के दस उपद्रवियों ने गांव में शांति और सौहार्द बिगाड़ने का काम किया था ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने उक्त गांवो के दस उपद्रवियों को पकड़कर थाने ले आकर शांति भंग की धारा में केस दर्ज करते हुए चालान कर दिया । पुलिस की मुस्तैदी क्षेत्र में बनी रही।

न्यूज झरोखा- होली पर्व

मांडा के डेंगुरपुर गंगा घाट स्नान करने गया युवक डूबा , मौत

मेजा रोड। होली पर्व को लेकर शुक्रवार की सुबह ग्यारह बजे के आसपास गंगा स्नान को गया युवक गहरे पानी मे चले जाने के कारण डूब गया। इससे स्वजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने गोताखोरों को बुलाकर तलाश शुरू करा दी है। मांडा थाना क्षेत्र के मानपुर निवासी अजय पटेल (25) पुत्र यज्ञ नारायण शुक्रवार की सुबह होली पर्व को लेकर गंगा स्नान हेतु डेंगुरपुर घाट गया। वह स्नान हेतु गंगा में कूदा और गहरे पानी मे चले जाने के कारण डूब गया। घटना की जानकारी पर तकरीबन दो घण्टे बाद रोते बिलखते परिजन गंगा घाट पहुचें और पुलिस को सूचना दिया। उक्त सूचना पर मांडा थानाध्यक्ष महेश मिश्रा, भारतगंज चौकी प्रभारी आशीष कुमार रॉय भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुचें। पुलिस ने तत्काल गोताखोरो को बुलाया और तलाश शुरू कराई। लेकिन समाचार लिखे जाने तक लापता युवक की तलाश नहीं कि जा सकी थी। उक्त घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

शौचालय में लगा समरसेबल उठा ले गये चोर

सिरसा। मेजा क्षेत्र में आजकल चोरों के हौसले बुलंद दिखाई पड़ रहे हैं। बिना किसी डर और भय के चोर घटना को अंजाम दे रहे हैं, जिससे लोगों आक्रोश व्याप्त है। बीती रात ग्राम सभा चपरतला के गोसौरा खुर्द मजरे में बना सामुदायिक शौचालय में लगा समरसेबल चोरी कर ले गये। सामुदायिक शौचालय में नियुक्त सफाइकर्मी श्याम कुमारी ने बताया कि बीती रात को मै.घर चली गई और सुबह आकर देखा तो चोर तार काटकर समरसेबल उठा ले गये थे। चोरी की घटना की जानकारी ग्राम प्रधान नंद लाल कुशवाह और 112 को दिया। मौके पर 112 आई और जांच करके चली गई। ग्राम प्रधान ने चोरी की घटना की तस्दीक की। इस घटना से ग्रामवासियों में आक्रोश बना है।

पुरानी रंजिश के चलते गोमती में लगाई आग, जलकर राख

सहसों। पुरानी रंजीत के कारण बस महुआ गांव में ढाबे के बगल रखी गोमती में आग लगा दिए जिससे गोमती में रखे हजारों का सामान सहित गोमती जलकर राख हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार थरवई थाना क्षेत्र के बसमहुआ गांव निवासी शुभम सहसों फाफामऊ मार्ग पर गांव के सामने ही पान की गुमटी रख कर अपना जीवन यापन करता है। शुभम का आरोप है कि शनिवार दोपहर बाद लगभग ढाई बजे गांव के ही सत्यम सहित अन्य लोग पहुंचकर पुरानी रंजिश का हवाला देते हुए विवाद करने लगे। तत्पश्चात उन लोगों ने गोमती में आग लगा दी। जिसमें लगभग बीस हजार रुपए का सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित शुभम ने थरवई पुलिस को गांव के ही चार लोगो के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

अनियंत्रित बाइक बिजली पोल में टकराई चालक की मौत, कोहराम

अखंड भारत संदेश

कोरांव खीरी मार्ग पर बहरैचा गांव के पास घटी घटना

रत्योरा। खीरी थाना क्षेत्र के देवीबाँध गांव के युवक ने बीतेदिन शुक्रवार को होली का त्योहार मनाने ससुराल जा रहा था रास्ते मे बाइक चालक अनियंत्रित होकर बिजली के पोल में जा टकराई जिससे गम्भीर रूप से घायल हो गया सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने सीएचसी कोरांव लाया गया जहा पर डॉक्टरों ने घायल हुए युवक को मृत्यु घोषित कर दिया और शव को पुलिस अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों को जानकारी मिलते ही जहाँ होली का त्योहार खुशियों में मना रहे थे वही मातम में बदल गया। प्राप्त जानकारी अनुसार खीरी थाना क्षेत्र के देवीबाँध गाँव निवासी विपिन कुमार चौहान उम्र (25)पुत्र राघो प्रसाद सिंह ने बितेदिन शुक्रवार को घर से दोपहर होली का त्योहार मनाने अपने ससुराल बहरैचा गाँव बाइक से जा रहा था।कोरांव खीरी मार्ग पर बहरैचा गाँव के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित होकर बाइक चालक बे काबू होकर पटरी के बगल गड़े बिजली के पोल जोरदार टक्कर मार दिया जिससे विपिन को गम्भीर रूप से घायल हो गया स्थानीय लोगों ने पुलिस व एम्बुलेंस को सूचना दिया ।एम्बुलेंस मौके पर पहुंच कर घायल ब्यक्ति को सीएचसी कोरांव ले जाया गया जहा पर डॉक्टरों ने विपिन को मृत्यु घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया ।परिजनों को सूचना मिलते ही जहाँ खुशियों से होली का त्योहार मना रहे थे वही मातम में बदल गया। परिजनों ने बताया कि एक वर्ष पहले मृतक की शादी बहरैचा गांव में हुई थी। मृतक के कोई बच्चा नही है ।परिजनों में रो रो कर बुरा हाल हुआ है। इसीप्रकार कोरांव थाना क्षेत्र के टीकर गांव निवासी लालचन्द केशरी पुत्र लखन लाल होलिका दहन के शाम को गांव के तरफ से घर पैदल जा रहा था रत्योरा महुआव मार्ग पर रत्योरा तरफ से तेज रफ्तार बाइक चालक अनियंत्रित होकर पैदल जा रहे ब्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे लालचन्द केशरी का पैर टूट गया और बाइक चालक सन्तोष कोल पुत्र बजरंगी निवासी पथरा गांव के सिर में गम्भीर चोटे आयी और बाइक छतिग्रस्त हो गया।सूचना पर पहुंची कोरांव पुलिस ने दोनों घायलों को एम्बुलेंस से कोरांव सीएचसी भेजवाया जहाँ पर डॉक्टरों ने घायलों को प्रयागराज के लिए रिफर कर दिया जहा पर दोनों घायलों का इलाज चल रहा है।

चौपड़ से हमले पर युवक बाल-बाल बचा

सहसों। सराय इनायत थाना अंतर्गत सहसों पुलिस चौकी क्षेत्र के चंदौहा गांव में शुक्रवार की देर रात राजेंद्र सोनकर तथा मोहम्मद काजिम के बीच विवाद हो गया। जिसके चलते राजेंद्र सोनकर ने चापड़ से मोहम्मद काजिम के ऊपर हमला कर दिया जिससे उसके पंजे में चोटे आई। मोहम्मद काजिम की तहरीर पर सराय इनायत पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल कर रही है। एहतियातन सहसों पुलिस चौकी गांव में गश्त कर रही है। चौकी प्रभारी सहसों दयाराम ने बताया कि गांव में शांति है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत,साथी घायल

हनुमानगंज। अपने दोस्त के साथ बाइक से शहर जा रहे थे बाइक सवार की अज्ञात वाहन की टक्कर से एक की उपचार के दौरान मौत हो गयी दूसरा अस्पताल में जीवन और मौत से संघर्ष कर रहा है घटना सरायइनायत थाना क्षेत्र के पास रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने हुई ,हण्डिया थाना क्षेत्र के परमानन्दपुर निवासी अभिमन्यु का छोटा लड़का अमित कुमार उम्र 27-वर्ष अपने दोस्त सक्षम पाण्डेय पुत्र राजेन्द्र पाण्डेय उम्र 28-वर्ष निवासी भैरोपुर थाना हण्डिया के साथ होली के दिन दोपहर लगभग डेढ़ बजे प्रयागराज शहर के लिये बाइक से निकला दो बजे दोनों साथी सरायइनायत थाना के पास रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा था तभी तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों दोस्त गम्भीर रूप से जख्मी हो गये मौके पर उपस्थित लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस और एम्बुलेंस को दी मौके पर पहुंचे एम्बुलेंस कर्मियों ने घायलो को सीएचसी कोटवा ले गये जहाँ डाक्टरों ने एस आर एन के लिये रेफर कर दिया एम्बुलेंस कर्मियों ने घायलो को एस आर एन में भर्ती कराया जहाँ उपचार के दौरान अमित कुमार की मौत हो गयी दूसरा घायल सक्षम पाण्डेय अस्पताल में जीवन और मौत से जूझ रहा है पुलिस ने मृतक के भाई अभय की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

संगमनगरी में अबीर गुलाल के बीच हुई कपड़ा फाड़ होली

लोकनाथ की होली पूरे देश में है मशहूर.....

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज के लोकनाथ और चौक की होली अन्य शहरों की होली से जरा हट कर होती है। यहां होली के दूसरे दिन कपड़ा फाड़ होली होती है। यानी एक तरफ जहां ऊपर से पाइप के जरिए रंगों की बौछार होती है तो दूसरी तरफ हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर डीजे की धुन में थिरकते नजर आते हैं। यहां एक दूसरे के कपड़े फाड़ते हैं और बोलते हैं हैप्पी होली। शनिवार को प्रयागराज में कपड़ा फाड़ होली मनाई जाती रही है। दूर-दूर से लोग इस होली में शामिल होने और देखने के लिए यहां आते हैं।

लोकनाथ पर होली खेलते लोग

अबीर गुलाल के संग कपड़ा फार होली खेलते हुड़दंग

2 साल से फीकी पड़ गई थी लोकनाथ की होली

लोकनाथ होली मिलन संघ के अध्यक्ष निखिल पांडेय बताते हैं बीते दो सालों से कोरोना के चलते हम लोग यह होली नहीं मना पा रहे थे। अब इस बार इसके लिए भव्य तैयारी की गई है। इसमें हर आयु वर्ग के लोग शामिल होते हैं। खास बात यह है कि इस दौरान नेचुरल हर्बल रंगों से ही होली खेली जाती है। कई मिनी ट्यूबवेल से पानी का इंतजाम किया गया है।

डीजे की धुन पर लोकनाथ पर खेली जाती है कपड़ा फार होली

लोकनाथ और चौक इलाका शहर का सबसे महत्वपूर्ण बाजार है। यहां पूरे जिले से लोग खरीदारी करने आते हैं। होलिका दहन वाली शाम तक यहां बाजार चलता है। रात में दुकानों के बंद होने के बाद रात में ही सफाई होती है। उसके बाद होली के दिन अबीर गुलाल लगाते हैं और दूसरे दिन कपड़ा फाड़ होली मनाते हैं। लोकनाथ के रहने वाले शरद मालवीय बताते हैं कि वह बचपन से ही यह होली देखते आ रहे हैं। यह बिल्कुल अलग होती है। यहां 40-50 हजार लोग एक साथ नजर आते हैं। करीब 50 स्पीकर लगाए जाते हैं। पांच क्विंटल से भी ज्यादा गुलाब की पंखुड़ियों, 11 क्विंटल अबीर और गुलाल और तीन क्विंटल कागज की कतरने मशीन से उड़ाई जाएंगी। शरद बताते हैं कि यह होली सुबह 10 बजे से दोपहर करीब दो बजे तक होती है। निखिल पांडेय बताते हैं कि यहां होली खेलने के लिए लोग दूसरे शहरों से भी आते हैं। इस बार लखनऊ, दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद जैसे शहरों से लोग यहां पहुंचे हैं।

होली : झरोखा

होली पर्व पर एक दूसरे को बधाई देते डीएम व एसएसपी प्रयागराज

कार्यकताओं के बीच होली खेलते उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

होली पर्व पर जनता के बीच रंग गुलाल की होली खेलती महापौर अभिलाषा गुप्ता

रंग से सराबोर होकर खुशी का इजहार करता शरद का परिवार

ग्रामीणांचल होली : झरोखा

ढोल मजीरे की थाप पर होलीयारों ने गाय फाग गीत

सहसों। हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रंगों का त्योहार होली। ग्रामीण अंचलों में ढोल मजीरे की थाप पर गलियों व मुहल्लों में गाय फाग गीत कोई अपनी घटना ना घटित हो संवेदनशील गांव में पुलिस की रही चौकसी। प्रेम सौहार्द का प्रतीक होली के त्यौहार पर शुक्रवार को क्षेत्र में शांतिपूर्वक रंगो के त्यौहार में रंगों से सराबोर होकर लोगों ने होली मनाई। क्षेत्र के सहसों, सिंगरामऊ, चकियाघरहरा, बसमहुआ, चिरौड़ा, रूदापुर, थानापुर, टटिहरा आदि गांव मे सुबह से ही लोग गांव में ढोल मजीरे की थाप पर फगुआ गीत गाकर सभी को एक दूसरे की बधाई दी तथा अबीर गुलाल लगाकर गले मिले। कई गांव में युवाओं की टोली आधुनिक वाद्य यंत्रों पर देर रात तक होली गीत का आनंद लेते हुए थिरकते रहे। गुरुवार की रात होलिका दहन को लेकर संवेदनशील गांव में पुलिस सक्रियता के साथ निगरानी करती रही। क्षेत्र के मोलनापुर गांव में होलिका दहन के अस्थान परिवर्तन हो जाने के कारण पुलिस अपनी निगरानी में होलिका दहन करवाई इसके अतिरिक्त अन्य गांवों में भी पुलिस निगरानी करती रही।

रंगों के लाल गुलाल से सराबोर रहाँ गांवो में होली का त्योहार

करछना। होली की धूम में गांवो का माहौल पूरी तरह से लालगुलाल रंगों से सराबोर रहाँ करछना क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों खुशियों का माहौल पूरी तरह से लालगुलाल रंगों से सराबोर रहाँ चनैनी गांव में प्रधान धीतेश तिवारी ने अपने गांव में सभी प्रबुद्ध वर्ग के साथ गांव में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया उन्होंन इस मौके पर गांव में बच्चों को पिचकारी और रंग गुलाल बाँट कर उनके खुशियों में सहयोग करने के लिए एक अच्छी पहल की, सादगीपूर्ण माहौल में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया इस मौके पर गांव के प्रबुद्ध लोग उपस्थित रहे।

करछना गांव में सौहार्दपूर्ण ढंग से प्रधान संघ मनाई होली

करछना। रंगों का त्योहार होली करछना में बडे धूमधाम से मनाई गई, इस अवसर पर बच्चे बूढे, नौजवानों ने एक दूसरे को रंग अबीर-गुलाल लगाकर सादगीपूर्ण माहौल में होली का त्योहार का लुत्फ उठाने हुए एक दूसरे को रंग अबीर-गुलाल लगाकर होली का जश्न मनाया और एक-दूसरे के गले मिलते हुए भाई चारे की मिसाल कायम की, इसी तरह क्षेत्र के लगभग सभी गांवों में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया ।करछना में प्रधान संघ करछना अध्यक्ष अवतार किशन सिंह एडवोकेट के साथ गांव के प्रबुद्ध लोग उपस्थित रहे।

होली पर हर तरफ रंग और गुलाल की बौछार

जारी। क्षेत्र के जारी बाजार में पहले और दूसरे दिन कपड़ा फाड़ होली का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक पारंपरिक ढंग से मनाया गया। जारी बाजार कस्बे में युवा अपनी टोली बनाकर सड़कों पर रंग लेकर एक दूसरे को रंगते नजर आए। साथ ही साथ तेज संगीत की धुन पर नाचते लोग अपने अपने तरीके से होली का जश्न मनाते नजर आए होली के इस त्यौहार पर क्या बच्चे क्या युवा सभी रंगों में रंगे नजर आ रहे थे। और बुरा ना मानो होली की गूंज सुनाई दे रही थी। होली पर्व पर बच्चे जवान पुरे सभी आपसी सद्भाव कायम रखते हुए एक दूसरे के गले मिले तथा अबीर गुलाल लगाकर आशीर्वाद ग्रहण किया ।होली में गाने की धुन में खूब बाजार वासी व व्यापारी गण जमकर नाचे । और होली के त्यौहार का खूब आनंद लिए। वही दूसरी तरफ क्षेत्राअधिकारी बारा के साथ जारी चौकी प्रभारी पंकज त्रिपाठी गश्त करते हुए होली के त्योहार को सकुसल सम्पन करान के साथ-साथ शुभकामनाएं भी दी।

जंघई में मनाई गई कपड़ा फाड़ होली, रंगों की बौछार

जंघई। होली रंगों की मस्ती और हुड़दंग का त्योहार है जंघई में होली खेलने वालों पर कुछ ऐसा सुरूर सवार होता है की लोग रंग लगाते-लगाते एक दूसरे का कपड़ा ही फाड़ देते है। लेकिन होली की मस्ती देखिये की लोग इसका जरा भी बुरा नहीं मानते और उसके बाद शुरू होता है गाने की धुनों पर नाचने का सिलसिला जो पूरे आधे दिन तक नानस्टाप चलता रहता है। जिसमें बाजार एवं आसपास गांव के नौजवान युवा पहुंचकर होली का त्योहार बढ़ चढ़ कर मनाते हैं तथा विभिन्न प्रकार के व्यंजन का लुत्फ उठाया जाता है और अबीर-गुलाल लगाकर एक दूसरे से गले मिलकर बधाई दिया गया चौकी इंचार्ज जंघई राजकुमार त्रिवेदी एवं चौकी के समस्त स्टाफ द्वारा क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने के लिए दिनभर चौकी क्षेत्र के गांवों में आवागमन करते हुए निगरानी करते रहे।

विधायक ने आपसी सौहार्द के साथ होली मनाने का दिया संदेश

मेजा रोड। मेजा विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक ने होली त्यौहार को लेकर खुशी के साथ त्यौहार मनाने के साथ साथ सभी क्षेत्रवासियों को बधाई दी है। बता दें कि बृहस्पतिवार को मेजा विधानसभा के विधायक संदीप पटेल ने सभी क्षेत्रवासियों को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी लोग आपसी सौहार्द के साथ एक दुसरे को गले लगा कर होली का त्योहार मनाएं। विधायक ने आगे कहा की रंगों का त्योहार होली आपसी एकता व भाईचारा को बढ़ावा देता है।

होली और सवेवरात का त्योहार हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न

अंगूर की बेटियों के बदौलत जिले में कई जगह अप्रिय घटनाएं, दारू के चलते गांव गिराव में छुटपुट वारदातें पुलिस की निडरता का परिणाम

कोराव। होली का पर्व पूर्व इलाके में छुटपुट घटनाओं के अलावा सकुशल संपन्न हो गया। रंगोत्सव के अद्वितीय पर्व होली पर लोगों ने एक दुसरे को अपार मंगल कामनाएं प्रदान की। साथ ही साथ मुस्लिमों के पर्व सवेबरात का भी एक साथ लोगों ने लुत्फ उठाया। कब्रिस्तानों पर चिराग बत्ती अगरबत्तियां के साथ लोगों ने अपने परिजनों पुरखों के मजारों पर फातेहा पढ़ा दुआएं खैर की। हलुआ पकवान से मुस्लिमों ने तो गोझिया के साथ हिंदू वर्ग के लोगों ने अपने मित्रों के यहां आ जा कर प्रसाद ग्रहण किया। रंग अबीर गुलाल लगा कर एक दूसरे के गले मिले। और गीले शिकवे दूर किए। गांवों में दारुओं नशीले पदार्थों की भरमार से गांव गिराव में कुछ तत्वों ने मारपीट की। अपने विपक्षियों को बुरा भला कहा। कुछ लोग अस्पतालों में हैं तो कुछ मुल्के अदम भी गए। कुछ लोगों का नशा चुनावी खुन्नस से भी लबरेज रहा। अंगूर की बेटियों गैर जिलों तथा गैर प्रांतों से भी गांवों में इस्तेमाल हुई और बिक्री भी हुई। भट्टियां भी गांवों में कई दिन से कई गांवों में धधकती रहीं। दारू के अलावा गांजा भांग का भी कारोबार बे खोफ हर गांव गली में फल फूल रहा। जिससे मां बहन बेटियां भी रुसवाइयों तथा फब्तियों की शिकार हो रहीं। तथा मारपीट की भी घटनाएं हो रही। कोरांव में दूसरे दिन भी होली का खुमार तेज दिखा। परंपरागत तरीके से हिंदू मुस्लिम दोनों वर्गों का त्योहार हर्षोल्लास के बतावरण में मनाया गया। काफी समय बाद हलुआ गोझिया एक साथ इस्तेमाल हुआ। शनिचर के दिन लोग रोजा भी रखे। सवे बरात के दिन रात भर लोगों ने इबादतें गुजारी कहीं कहीं जलसे हुए। मोमिनों ने देश की तारक्की भाई चारे के लिए बीमारी अजारी से महफूज रहने के लिए दुआएं खैर की।

अबीर गुलाल लगाकर मेजा में मनाई गई होली

मेजा रोड। में होली के दिन सुबह से दोपहर तक जहां रंगों से होली खेली गई वही दोपहर बाद लोग एक दूसरे को अबीर लगाकर गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दी।जैसा कि होली रंगों की मस्ती और हुडदंग का त्यौहार है।इसी क्रम में मेजा तहसील मुख्यालय के पास मेजाखास बाजार में एक ऐसी होली खेली जाती है वैसी होली का नजारा शायद ही कही और ही देखने को मिलता हो। ये होली सबसे अनोखी है क्योंकि यहाँ पर खेली जाने वाली होली के रंगों का शुरूर होली खेलने वालो पर कुछ ऐसा सवार होता है कि लोग रंग लगाते लगाते एक दूसरे का कपडा ही फाड़ देते है लेकिन जरा होली की मस्ती देखिये की लोग इसका जरा भी बुरा नहीं मानते और उसके बाद शुरू होता है साउंड की धुनों पर नाचने का सिलसिला जो दोपहर दो बजे तक नानस्टाप चलता रहता है। लोग एक दूसरे के ऊपर रंग और गुलाल की बारिश करते है और ऊपर से चारों और से रंगों की बौछार सोने में सुहागा का काम करती है। ऊपर लटके तारों पर जब नजर आती है तो लोगों के फटे कपडे टंगे नजर आते है और नीचे देखिये तो अर्धनग्न लोगों के ऊपर रंग का शुरूर अपने चरम पर होता है। मेजा रोड बाजार स्थित पुराने ट्रांसफार्मर और बरगद पेड़ तक होने वाली ये कपडा फाड़ होली बरसों से होती आ रही है। होली के पहले दिन जहां युवाओं ने रंग और अबीर से जमकर होली खेली। वहीं दूसरे दिन सुबह होते ही कपड़ा फाड़ होली खेलने का सिलसिला शुरू हो जाता है। यहां बरसों से होली दो दिन तक मनाई जाती है।एक बात गौर करने वाली बात यह है कि राह चलते किसी भी राहगीर को परेशान नहीं किया जाता है।

इफको कवि सम्मेलन : हास्य एवं कविता पाठ पर खूब उड़ा गुलाल

होली मिलन में उपस्थित जनसमूह के साथ इकाई प्रमुख संजय कुदेशिया

हास्य कवि सम्मेलन में आए कवियों का स्वागत करते इफको एम्पलाइज यूनियन के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विनय यादव

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। इफको की फूलपुर इकाई द्वारा शुक्रवार को इफको में हास्य कवि सम्मेलन सह होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अबीर-गुलाल के साथ कविता की पंक्तियों के बौछारों के साथ हुई। होली के दिन दिल मिल जाते हैं, रंगों में रंग मिल जाते हैं जैसे गानों पर थिरकते इफको के अंतः वासी युवक-युवतियों ने जहां एक दूसरे को अबीर गुलाल व रंग लगाकर होली को रंगदार बना दिया। वही इफको रीक्रिएशन क्लब द्वारा मुक्तांगन में आयोजित हास्य कवि सम्मेलन में कवियों ने खूब हंसाया। अजय देश प्रेमी ने रग रग में रवानी माई दे सरस्वती वंदना गाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। प्रख्यात शायर मखदूम फूलपुरी ने अपनी गजल होली त्यौहार मोहब्बत से मनाया जाए, हाथ के साथ दिलों को भी मिलाया जाए। काम मुश्किल है मगर करके दिखाया जाए, रूठे भाई को भी सीने से लगाया जाए, आइए मिलकर होली मनाया जाए पर खूब तालियां बटोरी। समाजसेवियों पर व्यंग कसते हुए कहा कि समाज को लगाया जिसने चूना वही नाम के आगे पहले समाजसेवी लगाते हैं पर जोरदार ठहाके लगे। हास्य कवि सम्मेलन में वरिष्ठ कवि लालजी देहाती ने जहां नालायक बेटा व वर्तमान विधायकों की कार्यप्रणाली पर खूब व्यंग बाण चलाए। वही प्यार मोहब्बत करने वालों पर योगी सरकार की एंटी रोमियो पर व्यंग बाण चलाते हुए नजर इलाहाबादी ने कहा की हुकूमत है हमारी प्यार को बढ़ने नहीं देंगे। रत्नाकर तन्हा ने उपस्थित श्रोताओं की तन्हाई को कम करते हुए कहा कि संभल कर चलिए रंग बदल रहे हैं। हास्य कवि सम्मेलन का संचालन युवा कवि कमल प्रतापगढ़ी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन रीक्रिएशन क्लब के सचिव डीके शुक्ला ने किया। इस मौके पर इकाई प्रमुख व कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया, रीक्रिएशन क्लब के अध्यक्ष गिरधर मिश्र, संतोष कुमार सिंह, संतोष शुक्ला, दानवीर सिंह, अधिकारी संघ के अध्यक्ष संजय कुमार मिश्र व महामंत्री स्वयंम प्रकाश, इफको एम्पलाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज पांडेय व महामंत्री विनय यादव, संत लाल यादव, सालिक राम, रामबाबू जयसवाल, आर०आर पात्रा, कमलेश कुमार, गुंजन प्रसाद, बीपी सिंह मुन्ना सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

फाग गीतों के साथ होली का त्यौहार मनाते प्रधान

करछना। विकासखंड के अंतर्गत बड़ी संख्या में गांव में प्रधानों ने ग्रामीणों के साथ खुशी एवं सौहार्दपर्ण ढंग से होली का त्यौहार ढोलक की थाप पर मनाते नजर आए और एक दूसरे को गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दी विकासखंड करछना के ग्राम पंचायत महोरी में प्रधान राजकुमार पटेल ने अपने दरवाजे पर गांव की टोली के साथ ढोलक के साथ फागुन गीतों का लुफ्त उठाया इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर धूमधाम से होली का त्यौहार मनाया इसी तरह क्षेत्र के बसही, बबुरा डीहा, पचदेवरा, गधियाव, धरवारा बड़े धूमधाम के साथ बडी संख्या में गांव में शांति ढंग से होली का त्यौहार धूमधाम के साथ संपन्न हुआ।

एकता एवं भाईचारे का प्रतीक होली पर्व : घनश्याम पांडेय

जंघई। प्रतापपुर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में होली धूमधाम से मनाई गई अबीर गुलाल रंगों एवं विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के साथ डीजे की धुनों पर थिरकतें युवाओं, महिलाओं एवं बच्चों ने होली पर हुड़दंग नृत्य करते हुए एक दूसरे के गले लगकर बधाई शुभकामना दी। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी रहे इंजीनियर घनश्याम पांडेय एवं जिला पंचायत सदस्य बृजकुमारी पांडेय, पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर पुनीत पांडेय ने अपने बृजकुंज उत्सव गृह जंघई में होली मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें घनश्याम पांडेय ने कहा कि होली का त्योहार एकता एवं भाईचारे का प्रतीक है होली मे लोग आपसी वैमनस्य कटुता भूलकर एक दूसरे से गले मिलकर बधाई का आदान-प्रदान करते हैं।इस अवसर पर केशरी प्रसाद पांडेय, सरोज दुबे, चंदू तिवारी, डिंपी पांडेय, पिंटू मिश्रा प्रधान, इंदिल पांडेय, आशुतोष तिवारी, विशाल मिश्रा, नीरज मिश्रा, विनय मिश्रा, धीरज मिश्रा, आनंद पांडेय, आशीष पांडेय, कल्लू पांडेय, अभिषेक पांडेय, प्रदीप दुबे, लल्लन दुबे, रवि दुबे, राजन पांडेय सहित तमाम लोग मौजूद रहे ।

लाठी डंडा और लात घुसा से पीटकर अधेड़ की हत्या

नवाबगंज थाना क्षेत्र के पटना उपरहार स्थित अचकवा पुर गांव में हुई घटना, होली पर्व पर बज रहे डीजे की टशन में अधेड़ की चली गई जान

घटनासल पर जांच पड़ताल करती पुलिस

घटना के बाद घर में कोहराम के बीच रोते बिलखते परिजन

अखंड भारत संदेश

लालगोपालगंज। नवाबगंज थाना क्षेत्र में होली त्यौहार के बीच हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। हत्या की सूचना मिलते ही आनन-फानन आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की तह में जाने के लिए पुलिस घंटे भर स्वजन और गांव वालों से पूछताछ करती रही। लालगोपालगंज पटना उपरहार के मजरा अचकवा पुर गांव में होली के दृष्टिगत शुक्रवार को गांव में डीजे लगाया गया था। गीत बजने और बजाने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई थी। जिसकी सुलग रही चिंगारी शनिवार की शाम लगभग 4:30 बजे ज्वाला में तब्दील हो गई। एक पक्ष के कुछ लोगों ने घर से 100 मीटर की दूरी पर गांव के ही राम नरेश यादव 56 वर्ष पुत्र ननकऊ को लात घूसा और लाठी-डंडे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना जब नवाबगंज पुलिस को मिली तो आनन फानन मंसूराबाद, श्रृंगवेरपुर, अनापुर और लालगोपालगंज की पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतक खेती किसानी करता था। मौत की जानकारी मिलते ही पत्नी विमला देवी बेटा करण और बिटिया सपना समेत परिजन में कोहराम मच गया। आरोपित घर से फरार हो गए। घटना की सूचना पर एसपी गंगा पार अभिषेक अग्रवाल एसडीएम सुनाओ ज्योति मौर्या सीओ सौरव सुधीर कुमार तहसीलदार ओम प्रकाश शुक्ला नवाबगंज थाना प्रभारी राकेश राय स्थानीय चौकी प्रभारी मुन्ना सिंह कुशवाहा समेत पुलिस बल मौके पर पहुंचकर छानबीन किया। हालांकि एसपी गंगापार ने बताया कि घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है जांच के लिए टीमें गठित की गई हैं।

त्यौहार पर सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश

हनुमानगंज। सराय इनायत में अंबेडकर व दुर्गा मूर्ति खंडित करने की सूचना पर पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया हंगामे की खबर मिलते ही आनन-फानन में पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। सराय इनायत थाना क्षेत्र के कतवारूपुर गांव में बीते शुक्रवार कि देर रात हरिजन बस्ती में स्थापित डा भीमराव अंबेडकर की मूर्ति वहीं मौर्य बस्ती में स्थापित दुर्गा मंदिर में देवी की मूर्ति क्षतिग्रस्त होने से गांव में बखेड़ा खड़ा हो गया।? एक ही रात गांव में दो मूर्ति खंडित को लेकर लोगों में रोष व्याप्त हो गया देखते ही देखते लोग जमा हो गए और नारेबाजी करने लगे? दोषियों की गिरफ्तारी करने की मांग करने लगे ।बताया जाता है कि बीते शुक्रवार की देर रात गांव के हरिजन बस्ती में स्थापित डा भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का हाथ तोड़ कर नीचे फेंक दिया गया वहीं मौर्य बस्ती मे स्थापित दुर्गा मंदिर की मूर्ति का चक्र तोड़ दिया गया। शुक्रवार कि सुबह पूजा करने गए गांव के प्रधान श्याम बहादुर मौर्य ने मूर्ति खंडित देखा तो शोरगुल मचाया जिससे वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई देखते ही देखते दोनों बस्ती में कुछ देर के लिए तनाव व्याप्त हो गया मौके पर पहुंचे सीओ फूलपुर राम सागर थाना अध्यक्ष सुशील कुमार दुबे ने किसी तरह लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया उधर गांव के प्रधान श्याम बहादुर मौर्य ने दूसरी मूर्ति स्थापित करने का आश्वासन दिया। गांव के प्रधान की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर लिया है पुलिस आपसी सौहार्द को बिगाड़ने वाले अराजक तत्व की तलाश कर रही है ।

पुलिस के हलाकान होने पर सकुशल बरामद हुई आठ वर्षीया बच्ची, आरोपी गया दबोचा

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। शराब के नशे मे धुत शातिर दिमाग ने आठ साल की बच्ची को खेलते समय अगवा कर लिया। बच्ची के अगवा होने की जानकारी होते ही घर गांव के साथ आस पास के गांवो मे भी आक्रोश व तनाव का माहौल बन गया। हालांकि पुलिस ने पूरी रात मशक्कत कर शनिवार की सुबह बच्ची को सुरक्षित बरामद करने मे सफलता हासिल की।

अपने परिजनों के बीच मौजूद मासूम बच्ची।

कोतवाली के कोडरा मांदूपुर गांव मे होली की शाम बच्चे खेल रहे थे। इस बीच करीब सात बजे गांव का बोभन सिंह उर्फ विष्णु प्रताप सिंह पुत्र भगवानबक्श सिंह वहां पहुंच गया। नशे मे टल्ली बोभन ने गांव के अजय पाल की आठ वषीर्या बेटी आरती को अगवा कर लिया। बच्ची का मुंह दबाकर बोभन को ले जाते देख वहां मौजूद अन्य बच्चे चीखने चिल्लाने लगे। इस पर गांव के लोग इकटठा हो गये। मासूम के अपहरण की जानकारी होते ही परिजन बदहवाश हो उठे। रात आठ बजे लालगंज कोतवाली पुलिस को इस हादसे की सूचना मिली। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष कमलेश पाल रात मे ही भारी फोर्स के साथ आरती की तलाश मे निकल पड़े। देर रात जानकारी होने पर एएसपी पश्चिमी रोहित मिश्र भी गांव पहुंचे और कोतवाली पुलिस को घटना के खुलासे के निर्देश दिये। गांव मे पुलिस ने ग्रामीणों तथा खेल रहे बच्चों के बताये गये लोकेशन के आधार पर बोभन की तलाश मे जुट गयी। इधर बोभन बच्ची को लेकर दूसरी दिशा मे मांदूपुर बाग पहुंच गया। वहां उसने बच्ची को बाग मे मुंह दबाकर लिटाया था। थोड़ी देर मे आरती को नींद आ गयी। इधर बोभन का नशा काफूर हुआ तो वह सुबह करीब तीन बजे गांव पहुंच गया। गांव मे उसकी आहट सुन लोग पीछा करने लगे। इस बीच कोतवाली पुलिस ने आरोपी को अपने कब्जे मे ले लिया। पुलिस जहां आरती को सकुशल बरामद करने मे हलाकान थी वहीं आक्रोशित ग्रामीणों के भी आरोपी की तलाश मे पीछा करने से वह पसीने से तर बतर हो उठी थी। इधर पुलिस ने कडाई से पूछताछ की तो बोभन ने बच्ची के बाग मे होने की जानकारी दी। पुलिस तड़के आरोपी के द्वारा बताये गये स्थान पर पहुंची तो एक घर के पास बच्ची रोते बिलखते मिली। बच्ची ने बताया कि बोभन उसे घर से पांच हजार रुपए मंगवाने को कह रहा था। आरोपी ने बच्ची को जान से मार डालने की धमकी देकर रात भर सांसत मे भी रखा। कोतवाली मे भी बच्ची के चेहरे पर भय व दहशत देखी गयी। इधर पुलिस ने घटना को लेकर शुक्रवार की रात ही आरती के चाचा मुन्ना पाल की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर लिया था। थानाध्यक्ष कमलेश पाल का कहना है कि आरती के बयान के बाद मुकदमें मे फिरौती व जानलेवा धमकी की धाराओं मे बढोत्तरी की जाएगी। हालांकि पुलिस घटना को लेकर अभी भी आरोपी से पूछताछ मे जुटी हुई है।

अलग-अलग मार्ग हादसे में सिपाही समेत चार की मौत

होली त्योहार पर घरों की खुशियां मातम में बदली

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़/परियावां। होली त्योहार पर जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुई मार्ग दुर्घटना में एक सिपाही सहित चार लोगों की मौत हो गई। चार लोगों की मौत से उनके परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने सभी के शवों को कब्जे में लेकर अन्त्य परीक्षण के लिये भेजा है।

कंधई थान क्षेत्र के ताला चैकी अन्तर्गत खमपुर गांव के पास शुक्रवार की दोपहर आमने सामने बाइक की टक्कर में एक सिपाही समेत दो लोगों की हुई मौत हो गई तथा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक प्रवेश सरोज उम्र लगभग (30) वर्ष पुत्र ज्ञानेंद्र सरोज निवासी ग्राम सिंठि खालसा थाना क्षेत्र कंधई व दूसरा मृतक अनिल कुमार गौतम उम्र 24 वर्ष पुत्र संतलाल निवासी ताला बाजार थाना क्षेत्र कंधई का निवासी था। वहीं घायल का नाम विनय पुत्र टुनटुन ताला बाजार का निवासी बताया जा रहा है। मृतक प्रवेश सरोज निवासी सिंठि खालसा उत्तर प्रदेश पुलिस जिला सुल्तानपुर में ड्यूटी पर तैनात था। होली त्योहार पर दो घरों की खुशियां अचानक मातम में बदल गई। घटना की जानकारी मिलते मौके पर पहुँचे कंधई कोतवाल सत्येंद्र सिंह व ताला चैकी इंचार्ज रमेश सिंह घायलों को जिला अस्पताल भेजवाया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने दोनों लोगों को मृत घोषित कर दिया। उधर गंगापार कौशाम्बी जनपद के ईकौनागढ़ निवासी मेवालाल पुत्र वंश गोपाल शनिवार को अपने घर से साइकिल पर सब्जी बेगन लादकर बेचने के लिए थाना क्षेत्र के नवाबगज बाजार जा रहा था कि अचानक ऊँचाहार की तरफ से तेज गति से आ रही इस्पर्ट कार ने जोर दार टक्कर मार दिया टक्कर इतनी जोरदार थी कि साइकिल सवार का एक पैर आधे पर कटकर दूर जा गिरा जो रह रह कर फड़फड़ा रहा था। पुलिस ने मरणासन हालत में मेवालाल को सीएचसी कालाकांकर ले गई जहां चिकित्सकों ने साइकिल सवार मेवालाल को मृत घोषित कर दिया। कार चालक के खिलाफ मृतक के लड़के मोहित कुमार ने पुलिस को तहरीर दिया पुलिस ने शव की लिखा पढ़ी करके पीएम के लिए भेज दिया। परियावां प्रतिनिधि के अनुसार नवाबगंज थाना क्षेत्र के कालाकांकर लालगंज राजमार्ग पर शुक्रवार की रात लगभग साढ़े नौ बजे रेलवे क्रासिंग के निकट रियाज अहमद के घर के सामने अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से बाइक सवार की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। रास्ते से गुजर रहे राहगीरों की नजर जब बाइक सवार युवक पर पड़ी तो घटना की सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुची 112 पुलिस की गाड़ी ने मृतक बाइक सवार युवक को थाने ले गई जिसकी काफी प्रयास के बाद शिनाख्त नही हो सकी।

रंगों का पर्व होली मिलन समारोह के साथ संपन्न

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के प्रमुख बाजारों व कस्बो में होली के रंगों का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ, जिसमें होली मिलन समारोह परियावां के बजरंग मार्केट में व्यापारियों द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह सम्पन्न हुआ होली के अवसर पर परियावा में बजरंग मार्केट के व्यापारियों द्वारा होली मिलन कार्यक्रम संपन्न एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाते हुए आपसी भाईचारा बनाए रखने के लिए गले मिलकर होली की हार्दिक शुभकामनाएं दी। होली मिलन में प्रमुख लोगों में रामराज शुक्ला राम यश शुक्ला पिंटू शुक्ला अमृतलाल मौर्य नवल किशोर अग्रहरी युगल किशोर अग्रहरी पवन कुमार अमन कुमार मनीष कुमार मेवालाल राजकिशोर मनीष कुमार अजय कुमार दीपक सिंह सुरेश कुमार विजय कुमार तिवारी आयुष कुमार आकाश कुमार उक्त होली मिलन कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त भू राजस्व निरीक्षक रामराज शुक्ला तथा संचालन विजय अग्रहरि पत्रकार ने किया।

आरोपी चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत को लेकर चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या तथा लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने का केस दर्ज किया है। कोतवाली के अगई निवासी बैजनाथ उर्फ राजेश वर्मा की पत्नी मालती देवी ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती सत्रह मार्च को उसका पति राजेश वर्मा लालगंज के समीप पूरे बंशी गांव मे रिश्तेदारी जा रहा था। बाजार मे स्थित रोडवेज बस स्टेशन के समीप अज्ञात ट्रक चालक ने उसे टक्कर मार दिया। ट्रक की चपेट मे आने से राजेश ने मौके पर ही दम तोड दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज किया है।

आठ आरोपियों के खिलाफ बलवा व मारपीट का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने मारपीट की घटना मे दो नामजद तथा आधा दर्जन अज्ञात आरोपियो के खिलाफ बलवा व मारपीट व गालीगलौज का केस दर्ज किया है। कोतवाली के नया का पुरवा निवासी रामसिंह सरोज की पत्नी अर्चना ने दी गई तहरीर मे कहा है कि शुक्रवार को गांव के सोनू सरोज पुत्र रामप्यारे व पिंकी सरोज पत्नी सोनू तथा आधा दर्जन अज्ञात लोग उसके दरवाजे पर हमलावर हो उठे। लाठी डंडे से लैस आरोपियो ने पीड़िता व उसकी मां को गाली देते हुए मारापीटा। आरोपियो ने शोर मचाने पर पीड़िता को जानलेवा धमकी भी दी। पुलिस ने शुक्रवार की देर रात घटना को लेकर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

अनिल के निधन पर प्रमोद व मोना ने जताया दुःख

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। रानीगंज कैथौला रियासत के मझले राजा अनिल सिंह 58 का गंभीर बीमारी के चलते शुक्रवार की देर शाम आकस्मिक निधन हो गया। अनिल सिंह के निधन की जानकारी होते ही रानीगंज कैथौला बाजार मे शोक छा गया। इधर सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी तथा क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने भी स्व. अनिल सिंह को शालीन व्यक्तित्व का धनी बताते हुए आकस्मिक निधन पर दुःख जताया है। वहीं प्रदेश के पूर्व मंत्री राजा भइया, एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह गोपाल, शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी, पूर्व मंत्री प्रो. शिवाकांत ओझा ने भी अनिल सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की है। इधर पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह ददन, सत्येन्द्र सिंह, पप्पू तिवारी, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, विनय जायसवाल, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने भी स्वर्गीय सिंह के निधन को सामाजिक क्षति कहा है।

नगरीय एवं ग्रामीण अंचलों मे चढ़ा दिखा फॉग का रंग, मुस्तैद प्रशासन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। होली का पर्व नगरीय एवं ग्रामीण अंचलों मे उत्साहपूर्वक मनाया गया। बाबा घुइसरनाथ धाम मे श्रद्धालुओं व मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से भगवान भोले नाथ को इक्यावन किलो फूल अर्पित कर श्रद्धालुओं ने अबीर गुलाल चढ़ाया। नगर मे जहां दोपहर बाद तक लोग रंग से सराबोर दिखे वहीं ग्रामीण अंचलो मे देर शाम तक रंग का उमंग जोश मे दिखा। जगह जगह होली के फॉग गीत मे भी लोग नाचते गाते देखे गये। लोग देर शाम तक एक दूसरे के घर गुझिया की मिठास के बीच अबीर गुलाल लगा होली पर गले लगे दिखे। बच्चों ने भी पिचकारी के रंग मे होली की खुशी साझा की। होली के त्यौहार को लेकर स्थानीय पुलिस के अलावा केन्द्रीय अतिरिक्त पुलिस बल को भी तिराहे चैराहे पर मुस्तैद देखा गया। एसडीएम ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह व सीओ रामसूरत सोनकर ने क्षेत्र भ्रमण कर शांति व्यवस्था के प्रबन्धों पर नजर जमाये रखी।

महामूर्ख सम्मेलन में खूब लगे ठहाके

सांसद, विधायक, पूर्व विधायक सहित अनेक प्रतिष्ठित लोग हुए शामिल

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। होली का पर्व उल्लास के साथ एवं पूर्ण अनुशासित ढंग से शहर से लेकर गांव तक मनाया गया। शहर में तो रंग दोपहर बारह बजे तक थम गया था, उसके बाद शाम को गोपाल मंदिर में हास्य व्यंग के ठहाकों के बीच महामूर्ख सम्मेलन परम्परागत ढंग से मनाया गया।

महामूर्ख सम्मेलन की अध्यक्षता प्रमुख व्यवसायी सरदार मंजीत सिंह छाबड़ा ने तथा संचालन पूर्व एमएलसी विंध्यवासिनी कुमार ने किया। इस अवसर पर उपस्थित सांसद संगम लाल गुप्ता, सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य, पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता राम सेवक त्रिपाठी, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, आरएसएस के रमेश त्रिपाठी, धमार्चार्य ओम प्रकाश पाण्डेय व भाजपा नेता श्याम सुंदर टाऊ के व्यंग वाणों ने खूब तालियां बंटोरी। इसके बाद अपनी कविता के माध्यम से लोगों ने उपस्थित जनसमुदाय को खूब हंसाया। प्रमुख कवियों में सत्येन्द्र मृदुल, राजन शुक्ला, शीतला सुजान, गंगा प्रसाद भावुक, राजेश प्रतापगढ़ी ने अपनी-अपनी काव्य रचनाओं से खूब ठहाका लगवाया। हास्य व्यंग का यह अनूठा कार्यक्रम वर्षों से गोपाल मंदिर में हर वर्ष होली की शाम होता है जिसमें शहर के प्रमुख, नागरिक, अधिवक्ता व जनप्रतिनिधि शामिल होते हैं। गोपाल मंदिर के गेट पर एक दूसरे से गले मिलकर होली की मुबारकबाद देते देखे गये।

महामूर्ख सम्मेलन में बोलते सांसद संगम लाल गुप्ता।

होली की आड़ मे खाकी की नाक के नीचे रात भर हुआ ताण्डव, आक्रोश

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। होली के त्यौहार को लेकर कोतवाली की नाक के नीचे उपद्रवियों ने होलिका दहन की रात जमकर बवाल काटा। उपद्रवियों ने आधा दर्जन प्रतिष्ठानों के बाहर रखे काउण्टर तथा तख्त व मेज कुर्सियों के साथ कई वाहनों मे तोडफोड कर नग्न ताण्डव किया। सुबह होने पर लोगों ने जब माजरा देखा तो आवाक रह गये।

गुरूवार की रात नगर के कालाकांकर हाइवे पर अज्ञात उपद्रवियों ने होली की आड़ मे जमकर बवेला काटा। आरोपियों ने नगर पंचायत कार्यालय के समीप कर्मचारी नेता रामलोचन त्रिपाठी की कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं व्यापारी अनिल गुप्ता, आमिना, प्रदीप पाल, गुडडू कौशल, विजय कुमार, शैलेन्द्र, सुमित आदि की दुकानों के काउण्टर तथा तख्त एवं फर्नीचर तोडफोड कर नष्ट कर दिये। जानकारी होने पर बाजार के लोगों मे आक्रोश फैल गया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस पहुंची और होली का हवाला देकर कार्रवाई का भरोसा देकर लोगों के गुस्से को शांत कराया। सूत्रों के मुताबिक पुलिस सीसी कैमरे के फुटेज को खंगालते हुए उपद्रवियों की तलाश मे जुटी है। इधर होली पर नगर की बाजार मे पहली बार इस प्रकार के बवेले को लेकर व्यापारियों तथा आम लोगों मे शनिवार को भी गुस्से का माहौल बना दिखा। थानाध्यक्ष कमलेश पाल का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपियों को चिन्हित किया जाएगा।

शबेरात पर रात भर मस्जिदें रहीं गुलजार, अकीदतमंदों ने रो-रोकर मांगी दुआएं

पुरखों की कब्रों पर पढ़ी गयी फातेहा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शबेरात पर अकीदतमंदों से जिले की हर मस्जिदें गुलजार रहीं। अपने गुनाहों से निजात पाने के लिये अकीदतमंदों ने रात भर रो-रोकर अल्लाह पाक से दुआएं मांगी और कब्रिस्तान में जाकर अपने पुरखों की कब्रों पर फातेहा पढ़ी तथा उनके गुनाहों की माफी के लिये दुआएं की।

शबेरात के दिन असर की नमाज के बाद से ही मुस्लिम बस्तियों में हर कोई रात भर इबादत करने के लिये अपनी-अपनी तैयारियों में जुटा रहा। मगरिब बाद गरीब व मिस्कीन को खाना बांटकर उसका सवाब पुरखों को बख्शा गया। मुस्लिम इलाकों में रात भर कुरआन-ए-पाक की तिलावत होती रही और हर कोई अपने गुनाहों की माफी के लिये रो-रोकर अल्लाह से दुआ मांगता रहा। शहर की जामा मस्जिद, अल्ला रक्खू मस्जिद, बेगम वार्ड मस्जिद, गुलशने मदीना, शेखजी मस्जिद, चांद तारा मस्जिद नमाजियों से गुलजार रही। सिप्तैन रोड मोहल्ले में आतिशबाजी भी की गयी। कब्रिस्तान को रोशनी से सजाया गया था।

शबेरात पर पुरखों की कब्र पर फातेहा पढ़ते लोग।

हर कोई अपने पुरखों की कब्रों पर जाकर फातेहा पढ़ रहा था और उनके गुनाहों की माफी के लिये दुआएं मांग रहा था। यह सिलसिला पूरी रात चलता रहा। हर कोई अपने गुनाहों की माफी मांग कर अल्लाह को राजी करने में लगा हुआ था। कब्रिस्तान के आसपास फूल, माला, अगरबत्ती की दुकानें लगी रही। कहीं-कहीं तो गरीब व मिस्कीनों को शरबत व जूस पिलाया गया। इस रात अकीदतमंदों ने विशेष नमाज भी अदा की। इन नमाजों में नफिल नमाज, तहतुल वजू, सलातुल तस्बीह की नमाज अहम रही। मुसलमानों ने शनिवार को फजिर की नमाज के बाद रोजा रखा। हुजूर पाक सल्ल. ने इर्शाद फरमाया है कि जिसने शाबान में एक दिन का रोजा रखा, उसको मेरी शफात हलाल हो गयी और उसको जहन्नम की आग छू न सकेगी। इस दिन अकीदतमंदों ने गुस्ल किया, इबादत के सुरमा लगाया, मिस्वाक किया, इत्र लगाया, खैरात दिया, बीमार की अयादत किया, तहज्जुद की नमाज पढ़ी, नफिल नमाज पढ़ी और सूरह यासीन की तिलावत कर अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगी।

आउटडोर से गार्डो की छुट्टी, अब चलाएंगे ट्रेन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जो गार्ड डिप्टी एसएस आउटडोर में ड्यूटी करते थे, उन्हें मुक्त कर दिया गया है। वे रविवार से ट्रेन ड्यूटी करेंगे। हालांकि अधिकारियों के इस निर्णय से कर्मचारियों में आक्रोश देखा जा रहा है। लेकिन खुलकर कोई सामने नहीं आ रहा है। गौरतलब है कि कोरोना काल में ट्रेनों का संचालन बंद होने से गार्डो को आउटडोर में अरजेस्ट किया गया था। हालांकि स्टेशन मास्टर की भी कमी है। उसकी पूर्ति भी गार्डो से कराई जा रही थी। यह कहना गलत नहीं होगा। अब कोरोना के बाद धीरे धीरे ट्रेनों की बहाल हो रही हैं। उसमें गार्डो की फिर से आवश्यकता पड़ने लगी। इस लिहाज से आउटडोर में काम कर रहे गार्डो को फिर से ट्रेनों पर लगाया जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि गार्ड को उनके मूल काम पर भेजा जा रहा है। इसमें हर्ज ही क्या है। सूत्रों के अनुसार लॉबी इंचार्ज और सुपरवाइजरों को परिचालन लखनऊ के अधिकारियों का निर्देश आया है जिसमें कहा गया है कि गार्ड अपना काम करेंगे। इस आशय का शपथ पत्र मांगा गया है। अगर कोई भी इंचार्ज ऐसा नहीं करता है तो उसको डीआरएम के समक्ष उपस्थित होना पड़ेगा। हालांकि कर्मचारियों का कहना है कि यह अधिकारियों की आउटडोर बंद करने की साजिश है। कुछ समय पहले इसके विरोध में नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन प्रतापगढ़ ब्रांच के मंत्री अनिल शुक्ला की अगुवाई में स्टेशन पर कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन किया था। उस समय तो अधिकारी बैंक फुट पर आ गये थे। अनिल शुक्ला का कहना है कि आउटडोर नहीं बंद होने जा रहा है। गार्डो को दूसरी जगह ड्यूटी पर न लगाने का फरमान आया है। इंचार्ज एसएस शमीम का कहना है कि अधिकारियों के निर्देश का पालन किया जायेगा।

खुद का आशियाना नही बना सका आदर्श नगर पंचायत

गठन के चार वर्ष बाद भी किराए के भवन में संचालित हो रहा है कार्यालय

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय नगर पंचायत गठन के चार वर्ष बीत जाने के बाद भी खुद का आशियाना नही बना सका है। आज भी वह एक किराए के भवन में संचालित हो रहा है। स्थानीय नगर पंचायत की मंजूरी सपा सरकार में ही मिल गई थी।

यही नहीं, शासन ने नगर पंचायत चुनाव से पहले ही 2016 में विकास कार्य के लिए करोड़ों रुपए की सौगात दे दी थी। उसके बाद चुनाव 2017 में हुआ। नगर के मतदाताओं ने प्रथम अध्यक्ष के रूप में अनीता द्विवेदी को चुना। पंचायत अध्यक्ष व अधिकारियों के अच्छे कार्यो को देखते हुए शासन ने इसे आदर्श नगर पंचायत का दर्जा भी दे दिया। नगर पंचायत को वर्ष 2021-2022 के लिए पं० दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना के अन्तर्गत चयनित किया गया है। नगर के विकास के लिए लगभग चार करोड़ रुपए भी शासन द्वारा दिये जायेंगे। जिससे नगर पंचायत के चहुमुखी विकास की गति को और तेजी मिलेगी।नगर में अच्छे कार्यो के लिए एक पहचान बना चुका नगर पंचायत खुद के विकास से दूरी बना रखा है।नगर पंचायत गठन के चार वर्ष बीत जाने के बाद भी खुद का आशियाना नही बना पाया है। आज वही एक किराए के भवन में ही कार्यालय का संचालन हो रहा है। उधर नगर पंचायत के ईओ सुभाष चंद्र सिंह का कहना है कि नगर पंचायत भवन का निमार्ण कार्य शुरू हो गया है। निर्माण कार्य पूर्ण होते ही नगर पंचायत को अपना कार्यालय मिल जायेगा।

आदर्श नगर पंचायत।

हरिप्रताप बने भाजपा से एमएलसी प्रत्याशी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भाजपा ने शनिवार को एमएलसी के प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी जिसमें तापगढ़ से हरिप्रताप सिंह एमएलसी प्रत्याशी बनाये गये हैं। बता दें कि इसके पहले भी कई बार हरिप्रताप सिंह नगर पालिका अध्यक्ष रहे हैं। इस समय वर्तमान में उनकी पत्नी प्रेमलता सिंह नगर पालिकाध्यक्षा हैं। इस दौरान हरिप्रताप के खेमे में टिकट मिलने से भारी उत्साह दिखाई दे रहा है।

हरिप्रताप सिंह।

घर के बरामदे में खड़ी बाइक को चोरों ने उड़ाया

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के आलापुर रेलवे क्रांसिंग निकट मकान मालिक के हाते के बरामदे में खड़ी सुपर स्पेलेंडर बाइक को चोरों ने पलक झपकते उड़ा दिया। बाइक गायब देख हड़कम्प मच गया। रात में सूचना पर 112 पुलिस मौके पर पहुची लेकिन बाइक का पता नही चल सका। बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के जनवामऊ कालीदीन का पुरवा स्थिति कस्तूरबा गांधी बालिका आवास के कर्मचारी रतनेन्द्र तिवारी पुत्र दीनानाथ तिवारी ग्राम कोटा दुबह थाना लालापुर प्रयागराज निवासी है जो थाना क्षेत्र के आलापुर रेलवे फाटक निकट मकान मालिक के हाते में किराए पर कमरा लेकर रहते थे गुरुवार की शाम लगभग साढ़े सात बजे रतनेन्द्र तिवारी बाहर से आकर अपनी बाइक सुपर स्पेलेंडर यू पी 70 डी एक्स 3081 खड़ी करके अंदर कमरे में किसी काम से गया लौटकर वापस आया तो बाइक गायब देख हड़बड़ा गया और आस पास के लोगो के साथ बाइक की काफी खोजबीन किया लेकिन पता नही चल सका बाइक की डिग्गी में गाड़ी के रजिस्ट्रेशन इंश्योरेंस व ड्राइविंग लाइसेंस रखा था। घटना की दूसरे दिन शुक्रवार की सुबह थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह को तहरीर दिया पुलिस बाइक चोरो की तलाश में जुटी हुई है।

हुड़दंग मस्ती के बीच बीता होली का त्योहार

महिलाएं भी होली के पर्व पर किसी से पीछे नहीं रही हंसी मजाक चुटकुले अबीर गुलाल और रंग एक दूसरे को लगाया

होली खेलते छोटे छोटे बच्चे।

होली का जश्न मनाते ग्रामीण

भ्रमण करते पुलिस अधीक्षक

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। होली के त्यौहार पर 2 दिनों तक लगातार हुड़दंग थोड़ी मस्ती और एक दूसरे को रंग लगाने का सिलसिला पूरे जिले में चलता रहा शुक्रवार और शनिवार दोनों दिन सुबह से ही पूरे जिले के कस्बे गांव गली चौराहे घर घर पर होली का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाने लगा सड़क पर आने जाने वाले लोगों को भी रंग लगाकर होली की बधाई दी गई बच्चों ने भी होली में जमकर हुड़दंग और मस्ती की महिलाएं भी होली के पर्व पर किसी से पीछे नहीं रही और हंसी मजाक चुटकुले अबीर गुलाल और रंग एक दूसरे को लगाया गया शुक्रवार और शनिवार दोनों दिन शाम को होली मिलन का कार्यक्रम पूरे जिले के गांव-गांव करवे नगर में चला और लोग एक दूसरे के घरों पर जाकर अबीर गुलाल लगाकर गले मिले और होली की शुभकामनाएं दी होली के पर्व पर घर-घर में व्यंजन और पकवान बनाए जाए और एक दूसरे के घरों पर जाकर लोगों ने विभिन्न प्रकार के पकवान और व्यंजन का स्वाद चखा 2 दिनों तक लगातार होली के मस्ती में पूरा जिला झूमता रहा कहीं कहीं ठंडाई और भांग का भी प्रोग्राम गांव कस्बे में किया गया भक्ति गीत भी लगाए गए और डीजे के धुन पर बच्चों ने होली के त्यौहार का जमकर आनंद उठाया।

त्यौहार पर बधाई देने का पूरे दिन चला सिलसिला

कौशांबी। होली के पर्व पर 2 दिनों तक लगातार बधाई देने का सिलसिला चलता रहा बदलते परिवेश में लोगों ने बधाई देने के लिए सोशल मीडिया को माध्यम बनाया है और अपने परिचित शुभचिंतकों रिश्तेदारों इष्ट मित्रों को सोशल मीडिया के माध्यम से 2 दिन पूरे समय बधाई देने का सिलसिला चलता रहा बधाई देने में बच्चे महिलाएं भी किसी से पीछे नहीं रहे

दोपहर में पुलिस ने बंद करा दिया रंग

कौशांबी। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भले ही वीडियो जारी कर पूरे दिन रंग खेलने का निर्देश दे रहे हो लेकिन जुम्मा की नमाज को लेकर दोपहर 12:30 बजे से ही पुलिस रंग बंद करने के प्रयास में लग गई होली के पहले दिन शुक्रवार की दोपहर में पुलिस की बाइक सड़कों पर दौड़ने लगी और रंग खेलने वालों को घर के अंदर जाने का निर्देश देने लगी पुलिस के खौफ से होली खेलने वाले लोगों को दोपहर में रंग बंद करना पड़ा रंग खेल रहे किसी ने भी पुलिस की बात मानने से इनकार किया तो पुलिस ने गाली गलौज और अभद्रता शुरू कर दिया जिससे पुलिस का खौफ खाकर दोपहर में ही रंग बंद हो गया आखिर कौशांबी के थाना पुलिस और चौकी पुलिस उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश की अवहेलना क्यों कर रही है आखिर थाना पुलिस और चौकी पुलिस की मंशा क्या है यह तमाम सवाल पूरे दिन सड़क और गलियों में चर्चा का विषय बना रहा।

8 दिन होती है होली

कौशांबी। सराय अकिल कस्बे में होली का पर्व 8 दिन तक लगातार बड़े ही धूमधाम हर्षोल्लास और हुड़दंग के साथ मनाया जाता है होलिका दहन के बाद 8 दिन तक सराय अकिल कस्बे के निवासियों द्वारा रंग खेला जाता है सराय अकिल में 8 दिन रंग खेलने की यह परंपरा सैकड़ों वर्षो से कस्बे में चली आ रही है जिसका लगातार पालन नगरवासी कर रहे हैं

जगह जगह हुआ होलिका दहन

कौशांबी। रंगो के पर्व होली के त्यौहार पर गांव गांव मोहल्ले मोहल्ले में होलिका दहन का आयोजन लोगों द्वारा किया गया था गुरुवार की रात्रि में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ होलिका दहन किया गया है इस मौके पर ढोल नगाड़े की धुन पर रात में ही होली के आगमन का जश्न मनाया जाने लगा और लोगो ने नाचते गाते होली के पर्व के आगमन का स्वागत किया।

बच्चों के साथ गांव में होली मनाते क्षेत्राधिकारी

न्यूज झरोखा

जिला पंचायत अध्यक्ष के पति को पुलिस ने हिरासत में लिया

कौशांबी। फतेहपुर जनपद के किशनपुर थाना क्षेत्र के किशनपुर कस्बे में 2 वर्ग विशेष के लोगों में होली के पर्व में रंग लगाने के दौरान हुए विवाद में सैकड़ों लोगों ने एक दूसरे पर हमला बोल दिया इस हमले में दोनों पक्ष के दर्जनों लोगों को चोटे आई घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया मामले की जानकारी मिलते ही एक पक्ष के समर्थन में कौशांबी जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर के पति जितेंद्र सोनकर पूर्व ब्लाक प्रमुख अपने भाई सुरेन्द्र सोनकर के साथ किशुनपुर पहुंच गए सुरेंद्र सोनकर वर्तमान में किशनपुर नगर पंचायत के चेयरमैन है घटनास्थल पर बढ़ते बवाल को देखकर कई थाने की सशस्त्र पुलिस फोर्स के साथ क्षेत्राधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक फतेहपुर घटनास्थल पर पहुंचकर मोर्चा संभालने लगे बवाल करने वाले लोग बड़ी वारदात को अंजाम देने के प्रयास में लगे थे और वह पुलिस की बात मानने को तैयार नहीं थी जिस पर फतेहपुर पुलिस ने जिला पंचायत अध्यक्ष कौशांबी के पति जितेंद्र सोनकर को हिरासत में ले लिया जितेंद्र सोनकर के हिरासत में लिए जाने के बाद मौके की स्थिति बदल गई और उपद्रव कर रहे लोग पुलिस के भय से घर के भीतर घुस गए मामला शांत होने के बाद पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी है और देर रात जितेंद्र सोनकर को पुलिस ने छोड़ दिया है।

रास्ते में ट्रैक्टर खड़ा करने से मना करने पर तमंचा लेकर दौड़ाया

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के चपहुआ गांव में रास्ते में ट्रैक्टर खड़ा करने से लोगों ने मना किया तो दबंगों ने गाली गलौज करते हुए ग्रामीणों को तमंचा लेकर दौड़ा लिया है जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई है मामले की सूचना पुलिस को दी है। बताया जाता है कि कोखराज थाना क्षेत्र के चपहुया गांव में 17 मार्च को दबंग मासूक अहमद ने बीच रास्ते में ट्रैक्टर को खड़ा कर दिया जिससे रास्ता बंद हो गया रास्ता बन्द हो जाने से आने जाने वाले लोगों को दिक्कतों का सामान करना पड़ा जब ट्रैक्टर को किनारे खड़ा करने को रंगीली बेगम पत्नी इरशाद सहित ग्रामीणों ने कहा तो दबंग गाली गलौज करना शुरू कर दिया बात आगे बढ़ी तो दबंगों ने तमंचा लहराना शुरू कर दिया और ग्रामीणों को दौड़ा लिया ग्रामीण जान बचाकर घरों के भीतर भागे कुछ देर बाद दोबारा फिर दबंग आए और घर में घुसकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने लगे रंगीली बेगम का कहना है कि दबंग आए दिन बीच रास्ते में ट्रैक्टर खड़ा करके रास्ता अवरुद्ध कर देते हैं जिससे आने-जाने में दिक्कत होती हैं और आए दिन गाली गलौज कर आतंक पैदा करते हैं दबंगों के आतंक से पीड़ित रंगीली बेगम ने पुलिस को तहरीर दिया है।

रिवाल्वर साफ करते समय चली गोली गार्ड घायल

कौशाम्बी। रिवाल्वर साफ करते समय अचानक गोली चल गई है जिससे डायल 112 में तैनात गार्ड घायल हो गया घायल घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है घटनाक्रम के मुताबिक जिले के सराय अकिल थाना क्षेत्र में डायल 112 के ढफ्स 1197 में तैनात गार्ड शैलेश को गोली लगने से हड़कंप मच गया,डायल 112 इनोवा गाड़ी के अंदर दीवान द्वारा सर्विस रिवाल्वर साफ करते समय अचानक गोली चलने से गार्ड शैलेश घायल हो गया,घायल गार्ड को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

घर के सामने से चोरों ने पार किया मोटरसाइकिल

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत अझुवा निवासी ज्ञान शर्मा अपनी बाइक नंबर यूपी73 ट 4608 लाल और काली रंग की खड़ी कर बीती रात सोने चले गए अज्ञात चोरों ने मोटरसाइकिल को पार कर दिया है जिसकी तहरीर ज्ञान शर्मा ने स्थानीय पुलिस चौकी में देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है एक बात तय है नगर पंचायत अझुवा क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोर गिरोह सक्रिय हैं।

ससुराल होली खेलने जा रहे बाइक सवार की सड़क दुर्घटना में मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज जनपद के नवाबगंज थाना क्षेत्र में हुआ हादसा, भरवारी कस्बे में चाट का ठेला लगाकर मृतक करता था परिवार का जीविकोपार्जन

भरवारी कौशाम्बी। भरवारी कस्बे से सोरांव क्षेत्र में अपनी ससुराल होली खेलने जा रहे बाइक सवार दो युवक नवाबगंज थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना के शिकार हो गए हैं हादसे में एक युवक की मौके पर मौत हो गई जबकि दूसरा युवक जीवन और मौत से जूझ रहा है घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार और ससुराल में कोहराम मच गया है और परिजन रोते बिलखते अस्पताल पहुंच गए हैं

घटनाक्रम के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी निवासी चाट व्यवसाई हीरा लाल अपने मित्र राजन कुशवाहा के साथ शुक्रवार को बाइक से अपनी ससुराल सोरांव होली खेलने जा रहे थे,तभी प्रयागराज जनपद के नवाबगंज के पास उनकी बाइक दुर्घनाग्रस्त हो गई।हादसे में हीरा लाल और राजन गंभीर घायल हो गए सड़क हादसे में घायल दोनों बाइक सवार को नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां हीरा लाल की मौत हो गई जबकि राजन की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।मृतक हीरा लाल के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।जबकि राजन का अभी इलाज चल रहा है सड़क हादसे में हीरालाल की मौत की जानकारी जैसे उसके घर ससुराल वालों के पास पहुंची ससुराल और परिवार में कोहराम मच गया है।

युवक का अपहरण कर बालिका के परिजनों ने की थी हत्या

अखंड भारत संदेश

सराय अकिल पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल, बालिका से प्यार के बदले में युवक की हत्या कर बालिका के परिजनों ने वसूली प्यार की कीमत

पुलिस अभिरक्षा में हत्यारोपी

कौशाम्बी। सराय अकिल कोतवाली क्षेत्र के भखन्दा गांव निवासी अनिल कुमार पुत्र अर्जुन सिंह को 13 मार्च को सराय अकिल कस्बे से दिन दहाड़े अपहरण कर आरोपी भखन्दा गांव ले गए और बेरहमी से पीट पीटकर अनिल सिंह को मौत के घाट उतार दिया इतना ही नहीं जल्लाद हत्यारों ने साक्ष्य नष्ट करने के उद्देश्य से अनिल सिंह को गांव के बाहर पेड़ से बांधकर लटका दिया और आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया युवक की हत्या के बाद थाना पुलिस ने भी मामले में आत्महत्या का रंग चढ़ाने का भरसक प्रयास किया लेकिन पुलिस आत्महत्या का रूप देने में असफल रही और दबाव के चलते पुलिस ने पांच आरोपियों को थाने में सिलेंडर करा लिया और आरोपियों के विरुद्ध लिखा पढ़ी कर जेल भेज दिया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अनिल सिंह के अपहरण और हत्या में हिमाशू सिंह पुत्र चन्द्रहास सिंह आदित्य सिंह पुत्र प्रकाश सिंह देवा सिंह पुत्र अशोक सिंह निवासी गण ग्राम भखन्दा थाना सराय अकिल तथा अनूप सिंह पुत्र स्व0 त्रिलोक सिंह व अमित सिंह पुत्र स्व0 त्रिलोक सिंह निवासी गण ग्राम म्योहरिया थाना सरायअकिल को गिरफ्तार कर नाम पता पूछते हुए जमा तलाशी ली गयी तथा कड़ाई से पूछने पर अभियुक्त गणो द्वारा योजना बद्ध तरीके से मृतक अनिल सिंह उर्फ प्रिशू का अपहरण कर मार पीट कर रात में गला दबाकर हत्या करना तत्यक्षात मृतक के ट्यूबबेल पर पड़ी चारपाई की रस्सी से फंदा बनाकर उसके गले में डाल कर पेड़ में टांग देना स्वीकार किया अभियुक्त गणों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करते हुए पुलिस ने न्यायालय भेज दिया है जहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

दरहा गांव की दलित बस्ती में वर्षो से नहीं पहुंचा सफाई कर्मी

पंचायत सेक्रेट्री फर्जी हस्ताक्षर दर्ज कर प्रत्येक महीने सफाई कर्मी के वेतन की करते हैं संस्तुति

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। सफाई कर्मचारियों की तैनाती और पंचायत सेक्रेटरी की सांठगांठ विभाग की कमाई का जरिया बन गया है जिससे सफाई कर्मचारी बेलगाम हो गए और स्वच्छ भारत अभियान की जिले में पूरी तरह से धज्जियां उड़ाई जा रही हैं गांव गांव गंदगी व्याप्त है शिकायत के बाद भी अधिकारी सफाई कर्मियों पर कार्रवाई करते नहीं दिख रहे हैं ताजा मामला विकासखंड नेवादा के दरहा गांव का है जहां दलित बस्ती में वर्षो बीत जाने के बाद भी सफाई कर्मी नहीं पहुंचा है जिससे दलित बस्ती पूरी तरह से गंदगी से बज बजा रही है गलियों में गंदगी से दुर्गंध उठने लगी है जिससे लोगों का जीना मुश्किल होता जा रहा है दलित बस्ती की नालियों में बरसों बीत जाने के बाद भी सफाई कर्मी ने सफाई नहीं किया है जिससे नालियों में पानी नहीं बह रहा है ग्रामीणों ने कई बार मामले की शिकायत एडीओ पंचायत और खंड विकास अधिकारी नेवादा से किया लेकिन सफाई कर्मी की आदत में सुधार नहीं हो सका।

दरहा गांव में व्याप्त गंदगी

होली के पर्व पर गांव गांव सफाई कराए जाने का निर्देश मुख्यमंत्री ने दिया था लेकिन मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद भी दरहा गांव की दलित बस्ती में सफाई नहीं हो सकी है ग्रामीणों का आरोप है कि सफाई कर्मी केवल ग्राम प्रधान के दरवाजे पर सफाई करके वापस चला जाता है ग्रामीणों का कहना है कि दलित बस्ती में अधिक गंदगी होने के चलते डेंगू और महामारी जैसी बीमारी फैलने का अंदेशा बढ़ता जा रहा है गांव की दलित बस्ती की सफाई कराना आवश्यक है पीड़ित ग्रामीणों ने जिला अधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी से दलित बस्ती की सफाई कराए जाने का अनुरोध किया है।

डिप्टी सीएम के बारे में युवक ने की अभद्र टिप्पणी

कौशाम्बी। विधानसभा चुनाव खत्म हो जाने के बाद भी जिले के सैनी कोतवाली के अझुवा वार्ड नंबर 8 के एक युवक ने डिप्टी सीएम के प्रति अभद्र टिप्पणी की है बताया जा रहा है युवक का वीडियो शोसल मीडिया में वायरल हो रहा जो डिप्टी सीएम केशव मौर्या पर अभद्र टिप्पणी करते हुए नजर आ रहा हैं। अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे युवक का नाम सरवन मौर्या पुत्र तिलकू मौर्या बताया जा रहा है।

देशी बम के साथ गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना करारी पुलिस बल द्वारा अभियुक्त बबलू पुत्र धुन्नु निवासी रहीमपुर मौलानी थाना करारी के कब्जे से 06 अदद जिंदा देशी बम बरामद कर अभियुक्त के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त का चालान न्यायालय कर दिया है।

अनियंत्रित बाइक चालक डिवाइडर से टकराए

अखंड भारत संदेश

गंभीर रूप से घायल पति पत्नी बच्चो को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती

हादसे के बाद मौके पर जुटे ग्रामीण

इमामगंज कौशाम्बी। कोखराज थाना अंतर्गत राम जी ढाबा के आसपास एक अनियंत्रित बाइक चालक डिवाइडर से टकरा गया घटना 18 मार्च की शाम की है इस हादसे में बाइक सवार परिवार सहित गंभीर रूप से घायल हो गया है जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है बाइक सवार युवक अपनी पत्नी बच्चों को लेकर अपनी ससुराल सहजादपुर जा रहा था। जानकारी के अनुसार प्रयागराज से बाइक चालक अपनी पत्नी बच्चों को लेकर अपने ससुराल शहजादपुर पुर जा रहा था जैसे ही बाइक चालक कोखराज थाना क्षेत्र के राम जी ढाबा के पास पहुंचे कि वह अनियंत्रित हो गए बाइक की हैंडल डगमगा जाने से बाइक सवार डिवाइडर से जा टकराया हादसे में परिवार सहित बाइक सवार जमीन पर गिर पड़ा। घटना को देख आसपास के लोग इकट्ठा हुए और लोगों ने पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल घायल लोगों को इलाज के लिए मूरतगंज अस्पताल में भर्ती कराया।

दारू पीकर लोगो ने मचाया उत्पात मना करने पर चलाया ईट पत्थर

अखंड भारत संदेश

मनौरी बाजार के चार लोगों के सिर फूटे मौके पर भारी पुलिस बल मौजूद

रुपए के लेन देन में दो पक्षों में चले जम कर लाठी डंडे दो घायल

कल्यानपुर कौशांबी। थाना कोखराज के चौकी टेडीमोड शहजादपुर के अंतर्गत ग्राम तरसौरा में होली के दिन दुकान से गुटखा खरीदने पर रुपए के लेन देन में दो पक्षों में जम कर चले लाठी डंडे से लालचंद्र पटेल पुत्र पुरुषोत्तम पटेल एवं बूंदी पुत्र सूरजभान पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए।ग्रामीणों की सूचना पर चौकी इंचार्ज श्री गौरव त्रिवेदी अपने हमराहियो के साथ मौके पर तुरंत पहुंच कर घायलों को जिला अस्पताल इलाज हेतु भेजे।चौकी इंचार्ज के कुशल नेतृत्व में पूरे दिन क्षेत्र में होली का त्योहार सकुशल संपन्न हुआ तरसौरा में खूनी संघर्ष हो ही गया।

कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुचे घटना की स्थिति को देखते हुए आलोक कुमार ने पिपरी थानाध्यक्ष को अवगत कराया तत्पश्चात पिपरी थानाध्यक्ष, सी ओ चायल भारी पुलिस बल लेकर पहुचे तब जाकर स्थिति सामान्य हुई बवाल की सूचना मिलते ही एस पी कौशाम्बी भी मौके पर पहुचे।

चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद लाकडाउन के दृष्टिगत सरकार द्वारा निर्गत निदेशों के अनुपालन के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार जनपद स्तर पर विभिन्न थानों द्वारा अनावश्यक रूप से बाहर घूमने मास्क न लगाने एवं सोशल डिस्टसिंग का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहियाव चार पहिया वाहनों को चेक किया गया, जिनमें 120 वाहनों का ई चालान किया गया एव 02 वाहनों का चालान कर 1000 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया साथ ही बिना मास्क लगाये घूमने एवं सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन का उल्लघन करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये 01 व्यक्ति से 100 रुपये जुमार्ना वसूला गया।

घटना के बाद इलाज के नाम पर सौदेबाजी शुरू

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र जे जलालपुर मार्ग पर लालोखर मंदिर के पास 2 दिन पहले एक शराबी युवक ने लापरवाही से बाइक चलाकर दुकान पर बैठे युवक को टक्कर मार दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलावस्था में उसे फैजीपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर हालत गंभीर बनी है। इलाज के नाम पर घायल युवक के परिजनों द्वारा सौदेबाजी शुरू कर दी गई है। टेगाई निवासी ओमप्रकाश पुत्र काली को 17 मार्च की शाम 4:00 बजे जलालपुर मार्ग पर स्थित ललोखर मंदिर के पास साइकिल की दुकान पर बैठा था। इसी दौरान जवई पडरी निवासी राजू पुत्र प्रेमचंद ने बाइक से टक्कर मार दिया जिससे ओम प्रकाश घायल हो गया घायलावस्था में पीड़ित परिजनों ने फैजीपुर रामपुर मडूकी अस्पताल में उसे भर्ती कराया गया। जहां पर उसके सर पर लगभग 16 टाका डॉक्टरों ने लगाया वही शराबी बाइक सवार बाइक छोड़कर मौके से फरार हो गया। दूसरे दिन जलालपुर निवासी अपने रिश्तेदारों को लेकर उसने बाइक वापस लेने का दबाव बनाया। बाइक सवार इलाज का वादा कर बाइक छोड़कर चला गया। 19 मार्च की सुबह घर पर पहुंचकर बाइक मांगने लगा पीड़ित पक्ष के विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर अपने रिश्तेदार के घर जलालपुर गया और घायल को बाइक सवार ने 3000 रुपए रिश्तेदार से भेजा है लेकिन घायल 20000 रुपए की डिमांड कर रहा है जिससे दोनों के बीच तनाव की स्थिति है और घायल परिजनों ने युवक की बाइक को अपने कब्जे में ले रखा है।

दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना कौशाम्बी पुलिस बल द्वारा वाछित अभियुक्त गुरुप्रसाद प्रजापति पुत्र जगमोहन प्रजापति निवासी विजिया बेहन पुरवा मजरा कोसम इनाम थाना कौशाम्बी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना कडाधाम पुलिस बल द्वारा वाछित अभियुक्त इसरार खान पुत्र स्व0 इकबाल खान निवासी अलीपुरजीता थाना कड़ाधाम को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

दो समुदायों में हुई मारपीट जमकर चले ईंट पत्थर

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के सिराथू में होली के पर्व पर रंग लगाने को लेकर दो समुदाय के लोग भिड़ गए देखते-देखते बवाल बढ़ने लगा और समुदाय विशेष के लोगों ने ईट पत्थर चला दिया बवाल की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस फोर्स पहुंची पुलिस को देखते ही बवाल करने वाले लोग भागने लगे जिस पर पुलिस ने कुछ लोगों को पकड़ लिया है बाकी लोग भाग गए हैं नयाब लाल मियां आरिफ मौके पर पकड़े गए हैं पकड़े गए लोगों पर पुलिस कार्रवाई कर रही है बाकी लोग फरार हो गए पुलिस धर पकड़ कर रही है चिकनी, राशिद अकीब अदिल नयाब, आफताब खुरसिद सादाब असपुल सारिफ अमन आदि लोगो ने होली के पर्व पर खलल डालने का प्रयास किया है।

संपादक की कलम से

हमारे आंगना आओ ओरी गौरैया

गौरैया हमारी प्राकृतिक सहचरी है। कभी वह हमारे आंगन और नीम के पेड़ के नीचे फुदकती और बिखेरे गए चावल या अनाज के दाने को चुगती। कभी प्यारी गौरैया घर की दीवार पर लगे आईने पर अपनी हमशक्ल पर चोंच मारती दिख जाती है। मगर अब ऐसा नहीं है। एक वक्त था जब बबूल के पेड़ पर सैकड़ों घोंसले लटके होते और गौरैया के साथ उसके चूजे चीं-चीं-चीं का शोर मचाते। बचपन की यादें आज भी जेहन में ताजा हैं लेकिन वक्त के साथ गौरैया एक कहानी बन गई है। गौरैया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खासी भूमिका है। दुनिया भर में 20 मार्च को गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद मो. ई. दिलावर के प्रयासों से इस दिवस को चुलबुली गौरैया के लिए रखा गया। 2010 में पहली बार यह दुनिया में मनाया गया। प्रसिद्ध उपन्यासकार भीष्म साहनी ने अपने बाल साहित्य में गौरैया पर बड़ी अच्छी कहानी लिखी है, जिसे उन्होंने गौरैया नाम दिया। हालांकि, जागरुकता की वजह से गौरैया की आमद बढ़ने लगी है। हमारे लिए यह शुभ संकेत है। गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास अधिक रहना पसंद करती है। पूर्वी एशिया में यह बहुतायत पायी जाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती हैं। इसका जीवनकाल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है। आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी बताई गई थी। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी आफ प्रॉटेक्शन आफ बर्डस ने इस चुलबुली और चंचल पक्षी को रेड लिस्ट में डाल दिया था । गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है। इसे वीवरपिंच परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन 25 से 35 ग्राम तक होता है। यह अधिकांश झुंड में रहती है। यह अधिक दो मील की दूरी तय करती है। शहरी हिस्सों में इसकी छह प्रजातियां पायी जाती हैं। इनमें हाउस स्पैरो, स्पेनिश, सिंड स्पैरो, रसेट, डेड और टी स्पैरो शामिल हैं। यह यूरोप, एशिया के साथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के अधिकतर हिस्सों में मिलती है। बढ़ती आबादी के कारण जंगलों का सफाया हो रहा है। ग्रामीण इलाकों में पेड़ काटे जा रहे हैं। ग्रामीण और शहरी इलाकों में बाग-बगीचे खत्म हो रहे हैं। इसका सीधा असर इन पर दिख रहा है। गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। इसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे, उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे। आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती है। यह पक्षी अधिक तापमान में नहीं रह सकता है। गगनचुंबी ऊंची इमारतें और संचार क्रांति इनके लिए अभिशाप बन गई। शहर से लेकर गांवों तक मोबाइल टावर एवं उससे निकलते रेडिएशन से इनकी जिंदगी संकट में है। खेती-किसानी में रसायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा है। केमिकलयुक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। इससे गौरैया के लिए भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है।

दूसरा बड़ा कारण मकर सक्रांति पर पतंग उत्सवों के दौरान काफी संख्या में पक्षियों की मौत होना है। पतंग की डोर से उड़ने के दौरान इसकी जद में आने से पक्षियों के पंख कट जाते हैं। हवाई मार्गों की जद में आने से भी इनकी मौत हो जाती है।

पोस्टल बैलेट पर पेंशन बहाली का प्रभाव

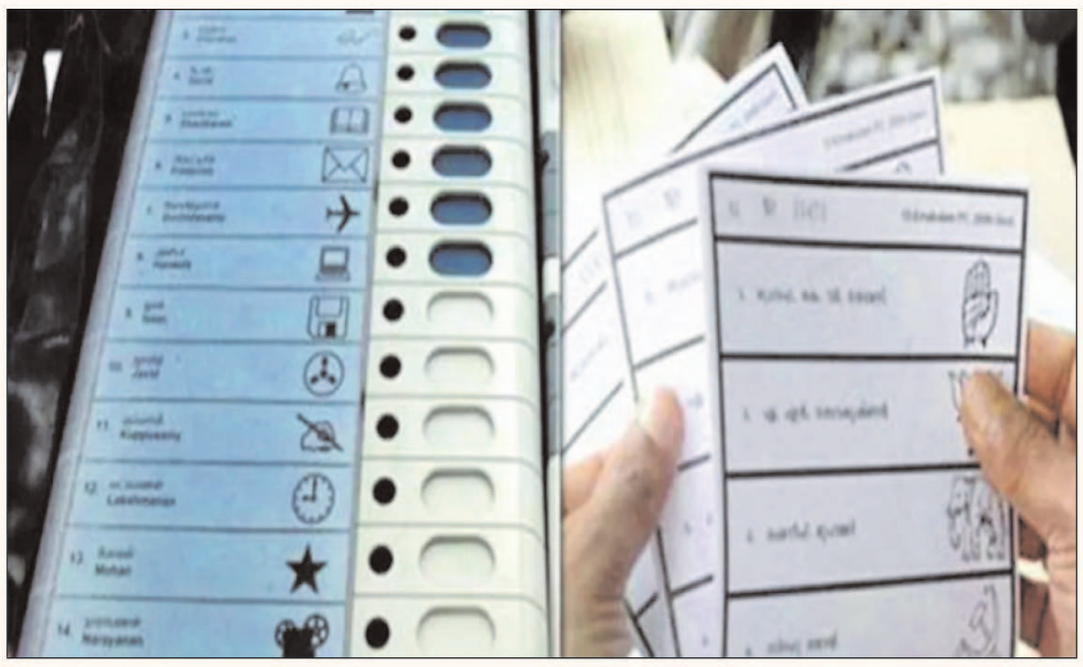

केंद्र में भाजपा की पूर्ण बहुमत सरकार को अनेक लोग सहज रूप में स्वीकार नहीं कर पा रहे। वह यह तथ्य स्वीकार करने को तैयार नहीं कि नरेन्द्र मोदी देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। आमजन के बीच उनकी विश्वसनीयता शिखर पर है। अनेक प्रदेशों में भी भाजपा को मोदी के नेतृत्व का लाभ मिलता है। योगी आदित्यनाथ भी व्यक्तिगत और राजनीतिक जीवन में नरेन्द्र मोदी की तरह हैं। दोनों में समाज सेवा और संन्यास का अलग-अलग समन्वय दिखाई देता है। इसमें परिवारवाद के लिए कोई जगह नहीं है। विपक्ष इनसे मुकाबले का तरीका ही नहीं समझ सका। यही कारण है कि यह पार्टियां अपनी पराजय पर आत्मचिंतन करने से बचती हैं। किसी प्रदेश में सरकार बन गई तो इसे अपनी लोकप्रियता बताते हैं। भाजपा को जनादेश मिला तो ईवीएम की खैर नहीं। कुछ वर्षों से यही चल रहा है। इस शोधग्रंथ में एक नया अध्याय जुड़ा है। वह है- उत्तर प्रदेश में पोस्टल बैलेट के आधार पर पूरे चुनाव की सीटों का आकलन करना। यह आंकड़ा 300 प्लस तक पहुंच गया। कहा गया कि भाजपा चालाकी और बेईमानी से जीत गई, जबकि बैलेट पोस्टल पर पुरानी पेंशन बहाली और 300 यूनिट फ्री बिजली वादे का असर हुआ। कहा गया कि पोस्टल बैलट में समाजवादी पार्टी गठबंधन को करीब 51 प्रतिशत वोट मिला। इस हिसाब से कुल तीन सौ चार सीटों पर सपा गठबंधन की जीत चुनाव का सच बयान कर रही है। वैसे भी प्रदेश के मतदाताओं ने सपा की ढाई गुना सीटें बढ़ाकर अपना रुझान जता दिया है। बैलेट पोस्टल की सुविधा सरकारी सेवा के लोगों को मिलती है। इनमें भी उन लोगों ने उत्साह दिखायाि जन्हें पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है। अनेक लोगों ने सोशल मीडिया पर अभियान चलाया। कहा गया कि राष्ट्रवाद, कानून व्यवस्था, विकास आदि के मुद्दे अगले चुनाव में देखे जाएंगे। इस बार केवल पुरानी पेंशन बहाली के वादे पर वोट करना है। दो सौ फ्री यूनिट बिजली वादे से सरकार बनने के उदाहरण हैं। उत्तर प्रदेश में तो तीन सौ यूनिट फ्री बिजली का वादा किया गया था। इन वादों को गेंम चेंजर कहा जा रहा था। सत्तारूढ़ भाजपा वादों की इस झड़ी में पीछे रह गई थी। लेकिन पुरानी पेंशन बहाली से गरीब, किसान, व्यापारी व निजी क्षेत्रों में कार्यरत लोगों का कोई मतलब नहीं था। इस संबन्ध में आमजन के अनुभव भी सुखद नहीं होते। उन्हें अपने उचित कार्यों के लिए भी अक्सर परेशानी का सामना करना पड़ता है। किंतु पोस्टल बैलेट का प्रयोग करने वालों के लिए पुरानी पेंशन बहाली के बाद सर्वाधिक महत्वपूर्ण था। इसके बाद भी अनेक लोगों ने निजी हितों की जगह समाज व प्रदेश के हित को वरीयता दी। उनको इसी प्रकार की राजनीति करने वाले लोग पसंद हैं। वैसे भी भाजपा को छोड़ कर देश के प्रायः सभी दल व्यक्ति व परिवारवादी हैं। अन्य प्राथमिकता इसके बाद ही प्रारंभ होती है। वह अपनी इस कमजोरी को छिपाना चाहते हैं। इसके लिए पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों आदि की दुहाई देते हैं। इस परम्परागत राजनीति से ऊपर उठने का इनके पास कोई विजन नहीं है। जबकि लोग जागरूक हो चुके हैं। वह असलीयत को देखते और समझते हैं। गरीबों और किसानों आदि के हित में सभी सरकारों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रहता है। करोड़ों की संख्या में कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित होने वाले लोग है। इनके ऊपर जाति मजहब और लोकलुभावन समीकरण ज्यादा महत्व नहीं रखते। मुकाबले में एकमात्र दल था। इसलिए उसकी सीटें बढ़ानी स्वभाविक थी। लेकिन बेशुमार वादों के बावजूद उसे सत्ता से दूर रखने का मतदाताओं ने निर्णय लिया। इस पराजय पर आत्मचिंतन की आवश्यकता थी। लेकिन फिर ईवीएम और बेईमानी की बात हुई। कहा गया कि जनता ने सपा को भाजपा का विकल्प मान लिया है। जबकि यह तब सच होता जब सपा को बहुमत मिलता। इस चुनाव में उसे एक मात्र विपक्षी अवश्य माना गया। फिलहाल वह कांग्रेस और बसपा की विकल्प अवश्य बनी है। लेकिन इस आधार पर पांच वर्ष बाद का निष्कर्ष नहीं निकल सकता। पांच वर्ष बाद मतदाता सरकार व मुख्य विपक्षी पार्टी के कार्यों के आधार पर निर्णय करेंगे। कम मत के अंतर से जीत-हार की बातें भी दिल बहलाने के लिए होती हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा नब्बे सीटों पर मामूली अंतर से हारी थी। इस आधार पर वह यह नहीं कह सकती कि वहां के लोगों ने उसे तृणमूल कांग्रेस का विकल्प मान लिया है। सच्चाई यह थी कि तृणमूल कांग्रेस को बहुमत मिला। उसने सरकार बनाई। भाजपा को पश्चिम बंगाल में मुख्य विपक्षी के रूप में अवश्य माना गया। उत्तर प्रदेश में भाजपा पर छल प्रपंच से चुनाव जीतने का आरोप लगाना निराधार है। कांग्रेस और बसपा लड़ ही नहीं सकी।

ऐसे में सपा की सीटें और मत प्रतिशत बढ़ा। इसके पहले बसपा और सपा को पूरे बहुमत से सरकार चलाने का अवसर मिला था। योगी सरकार के कार्यकाल में दो वर्ष वैश्विक महामारी कोरोना का प्रकोप रहा। इससे अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ा। अनेक विकास कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ा। इसके बाद भी भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला। परिस्थितियों को देखते हुए यह सफलता भी कम नहीं है। लेकिन ईवीएम को लेकर फिर वही अंदाज सामने है। मतलब भाजपा ईवीएम से विजयी होती है। गैर भाजपा पार्टियां अपनी लोकप्रियता और नैतिक राजनीति से परचम फहराती है। ममता बनर्जी, कुमार स्वामी कमलनाथ, अशोक गहलोत, हेमंत सोरोन आदि लोकप्रयिता से मुख्यमंत्री बने। योगी आदित्यनाथ की वापसी पर ईवीएम को कोसा जा रहा है। आमजन इस दोहरे मापदंड को देख और समझ रहा है। सच्चाई को सहज रूप में स्वीकार करना चाहिए। तीन सौ यूनिट बिजली का वादा बहुत लोक लुभावन था। लेकिन बिजली की आपूर्ति का मुद्दा भी चर्चा में रहा। यह किसी पार्टी के कहने की बात नहीं थी। इसका लोगों को प्रत्यक्ष अनुभव रहा है। करोड़ों गरीबों को अनेक योजनाओं का सीधा लाभ मिला। करीब 45 लाख गरीबों को आवास मिला। पांच साल पहले तक यूपी में किसान सरकारों की प्राथमिकता से बाहर था,लेकिन आज वह राजनीति के एजेंडे में शामिल है। किसानों के उत्थान के लिए,उनकी आय में दोगुना वृद्धि के लिए लगातार कदम उठाए गए हैं। सरकार ने दो करोड़ इकसठ लाख शौचालय बनाकर तैयार किए। इसका लाभ 10 करोड़ लोगों को मिला है। जिला मुख्यालयों में 10 घंटे बिजली और तहसील मुख्यालय पर 22 घंटे बिजली की सुविधा दी जा रही है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली पहुंचाने का काम सरकार कर रही है। किसान व गरीब कल्याण, लाखों करोड़ के निवेश,अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार, पांच एक्सप्रेस-वे पर कार्य,स्वास्थ्य आदि तमाम और क्षेत्रों में भी पिछली सरकारों के रिकार्ड को बहुत पीछे छोड़ दिया गया है। राज्य सरकार की कार्यपद्धति में बदलाव से आय भी बढ़ी है। शीघ्र ही स्टेट जीएसटी से होने वाली आय एक लाख करोड़ रुपये की सीमा को पार कर लेगी। राज्य सरकार ने अब तक गन्ना किसानों को करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये के गन्ना मूल्य का भुगतान कराया है। कोरोना काल में भी सभी 119 चीनी मिलें संचालित की गईं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत प्रदेश के दो करोड़ बयालीस लाख किसानों को लाभान्वित किया गया है। इसके लिए राज्य को भारत सरकार से प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।

व्यापार का वातावरण बना है और प्रदेश देश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में दूसरे स्थान पर आ गया है। आज प्रदेश में तेजी के साथ निजी निवेश हो रहा है। निजी क्षेत्र में अब तक तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है। इसके माध्यम से 45 लाख युवाओं को रोजगार और नौकरी के साथ जोड़ा गया है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गुदगुदी वाली खुशी नहीं, अंदर की खुशी का अहसास कीजिए!

सोनम लववंशी

खुश हो जाइए, क्योंकि आज (20 मार्च) 'अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस' है। आप अभाव में हों, तनाव में हों, अवसाद ने आपको घेर रखा हों फिर भी आप दिनभर हंसिए और खुशियां मनाइए! इस साल की थीम 'बिल्ड बैक हैप्पीयर' है, जो महामारी से वैश्विक स्वास्थ्य लाभ पर केंद्रित है। लेकिन, क्या ऐसा संभव है! महामारी की पीड़ा क्या इतनी क्षणिक थी कि उसे भुलाया जाए! आंकड़ों की गवाही है कि प्रसन्नता यानी खुशी के मामले में हमारा देश लगातार पिछड़ता जा रहा है। 'विश्व प्रसन्नता दिवस' मनाने की शुरूआत 2013 में हुई थी। उस समय हम खुशियों की रैंक में 111 वें पायदान पर थे। 2021 में भारत 149 देशों की सूची में प्रसन्नता के स्तर में 139 वीं पायदान पर पहुंच गया। 25 प्रतिशत की गिरावट यह बताने के लिए काफी है कि खुशियों की राह में हम कितना पिछड़ गए। आश्चर्य की बात है कि पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश जैसे देशों से भी हमारी खुशी निचले पायदान पर है। कहने को हम दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था है। दुनिया में दूसरी सबसे ज्यादा आबादी हमारी है, पर खुशियों के पैमाने में हम बहुत निचले स्तर पर हैं। भूटान ने 1972 में 'हैप्पीनेस इंडेक्स' का मॉडल बनाया था! वहाँ जीडीपी (ग्रॉस डोमेस्टिक प्रॉडक्ट) के बजाए लोगों की खुशियों को देश की समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। जबकि, अभी तो वो फार्मूला ही नहीं बना जो लोगों की खुशी मापने का मीटर हो! दुनिया में कई जगह लोगों के जीवन में खुशहाली लाने का काम हो रहा है। लेकिन, खुशहाली लाने के लिए सबसे पहले सरकार को अपनी जिम्मेदारियां निभाना होती है। वो सारे प्रयास करना होते हैं, जिससे लोगों की व्यक्तिगत मुसीबतें खत्म हों और वे खुश हों! सरकारी गुदगुदी से कोई खुलकर कैसे हँस सकेगा! जिनके जीवन में तनाव, अभाव और हर वक़्त भविष्य की चिंता हो, उन्हें अंतर्मन की खुशी कैसे दी जा सकती है! भूटान के अलावा वेनेजुएला, यूएई में भी ये प्रयोग हो चुके हैं।

जिंदगी के तौर तरीके जिस तरीके से बदल रहे है, उनसे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि हम तरक्की के नए आयाम भले गढ़ रहे हों, पर हमारे अंदर की इंसानियत पीछे छूट रही है। छोटी-छोटी बातों पर लोग मरने या मारने को तैयार होते हैं। निराशावादी ने लोगों को इतना जकड़ लिया कि वे उससे बाहर निकलना ही नहीं चाहते! क्या वजह है कि हम अपनी संस्कृति को बिसरा रहे है। 'सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया:, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित दुख भाग भव:' की संस्कृति मानने वाले हम यही कामना करते थे कि सभी सुखी हो, सभी निरोगी हों, सभी के साथ अच्छा हो किसी को दु:ख न मिले। फिर ऐसी क्या वजह आ गई जो हम अपनों के ही दर्द की वजह बनते जा रहे हैं। रिश्तों की डोर इतनी नाजुक क्यों हो गई कि वो जरा से तनाव में दरक जाती है। हम बुलंदियों का आसमान छू रहे हैं, लेकिन मन को दो पल का सुकून नसीब नहीं हो रहा। वास्तव में खुशी को किसी परिभाषा में नहीं समेटा जा सकता है। हिन्दू शास्त्रों में भी खुशी को परम आंनद कहा गया है। 6ठी सदी के दार्शनिक और बुद्धिजीवी आदी शंकराचार्य ने कहा था 'अल्पकालिक वस्तुओं के प्रति उदासीनता और आंतरिक चेतना के साथ संबंध ही सच्ची प्रसन्नता है।' वहीं 350 ईसा पूर्व लिखे गए 'निकोमैचियन एथिक्स' में अरस्तू ने कहा था 'धन, सम्मान, स्वास्थ्य या दोस्ती के विपरीत, खुशी ही एकमात्र ऐसी चीज है, जो मनुष्य अपने लिए चाहता हैं।' अरस्तू ने तर्क दिया था कि अच्छा जीवन उत्कृष्ट तर्कसंगत गतिविधि का जीवन है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में कहा ही है कि फल की आशा के बिना निरपेक्ष भाव से किया गया कर्म ही सर्वोत्तम है। यह सच भी है कि जहां स्वार्थ होगा वहां छल कपट भी होगा। स्वार्थ से परे ही सच्चा सुख प्रसन्नता की राह सुगम बनाता है।

हमारी संस्कृति ने दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाया। विश्व को योग, ध्यान और अध्यात्म सिखाया। फिर देश किस राह पर चल पड़ा! हमारी खुशी का स्तर गिरता क्यों जा रहा है। क्या सिर्फ भोग विलास ही सुखी जीवन का पैमाना बन गया। आधुनिकता की चकाचौंध में इंसान अंधा हो गया। इसलिए वह अपने सामाजिक मूल्यों का पतन करने से भी पीछे नहीं हटता। बाजारवाद की प्रवृत्ति में इंसान की इंसानियत गुम हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक भारत दुनिया में सबसे अवसादग्रस्त लोगों का देश बन गया है। एक तरफ तो हम विश्व गुरु बनने का दंभ भरते नहीं थकते। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की बात करते है। लेकिन, अपने ही परिवार में बूढ़े, बुजुर्ग अकेले हो गए। कोरोना काल ने हमें अकेले रहने की पीड़ा का एहसास जरूर कराया, लेकिन अकेले रहने का दर्द जस का तस बना हुआ है। हमने घर तो मजबूत बना लिए पर रिश्ते की डोर बहुत ही कमजोर कर ली। जहां कभी एक छत के नीचे पूरा परिवार खुशी मनाता था आज हम अपने ही कमरे में कैद होकर रह गए है! आज दुनिया 'ग्लोबल विलेज बनती जा रही है। चंद पलों में हम मीलों का सफर तय करने में सक्षम हो गए हो, सूचना के बड़े बड़े माध्यम बनाने में सफलता हासिल कर ली है, लेकिन दिलों में दूरियों की गहरी खाई बना बैठे है। आज हमें जरूरत है कि हम अपनी खुशी के लिए किसी और पर निर्भर न रहे। अपनी जिंदगी के निमार्ता स्वयं बने। जिस दिन हम सही गलत का निर्णय करने में सक्षम हो जाएंगे।

भौतिकवाद से परे मानवता की राह पकड़ लेंगे तो उससे अच्छी खुशी कोई और नहीं होगी।

लगता है 'खुशी' और 'सुविधा' के फर्क को ठीक से नहीं समझा गया! 'खुशी' किसी को दी नहीं जा सकती, ये अनुभूति है जो अंदर से उपजती है! उसे खोजना भर होता है। लोगों के अभाव की पूर्ति कर देने से वो व्यक्ति सुखी तो हो सकता है, पर खुश नहीं! ये भी कहा जा सकता है कि खुशी कभी खो नहीं सकती, इसलिए उसे पाया भी नहीं जा सकता! वह तो मौजूद है, उसे केवल जाना जाता है। कहा ये भी जाता है कि जो आनंद फकीरी में है, वो अमीरी में कहाँ! धन, दौलत, पद या प्रतिष्ठा से आनंद नहीं आता, बल्कि सकारात्मक सोच जीवन को खुशियों से भरता है। भौतिक समृद्धि महज सुविधा है, खुशी नहीं। इससे कभी आंतरिक खुशी और शांति नहीं मिलती। यदि हम खुशी चाहते हैं, तो हमें ऐसे वातावरण का निर्माण करना होगा, जिससे लोगों को वास्तविक आनंद की अनुभूति हो। गुदगुदाने से भी हँसी आती है, खुशी नहीं होती।

यूक्रेनः हमला या द्रौपदी का चीर

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

हेग के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में भारतीय जज दलवीर भंडारी बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने यूक्रेन के मामले में उन 13 जजों का साथ दिया है, जिन्होंने रूस से मांग की है कि वह यूक्रेन पर चल रहे युद्ध को तुरंत रोके। भारत सरकार ने स्पष्ट शब्दों में ऐसी मांग नहीं की है लेकिन वह भी यही चाहती है। भंडारी के वोट को रूस विरोधी इसलिए कहा जा सकता है कि वह उन राष्ट्रों के जजों के साथ मिलकर दिया गया है, जो रूस विरोधी हैं। लेकिन सारी दुनिया में रूस और पुतिन की निंदा हो रही है। पुतिन का कुछ पता नहीं, वे इस हमले को कब रोकेंगे? यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत के कई दौर चले हैं लेकिन अभी तक वे किसी अंजाम पर नहीं पहुंचे हैं। यह हमला द्रौपदी का चीर बन गया है। मुझे ऐसा लगता है कि रूस इस मुख्य मुद्दे पर तो संतुष्ट हो गया है कि यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं होगा लेकिन जिस मुद्दे पर बात अभी तक लटकी हुई है, वह यह है कि रूस ने दोनात्स्क और लुहांस्क नामक जो दो नए स्वतंत्र राष्ट्रों की घोषणा की है उस पर यूक्रेन राजी नहीं हो रहा है। यूक्रेन को पता है, इन दोनों क्षेत्रों में रूसी मूल के लोग बहुसंख्यक हैं और वे यूक्रेनी सत्ता से स्वायत्त होकर पहले से ही रह रहे हैं। यदि वे यूक्रेन के साथ जुड़े रहे तो सिरदर्द ही सिद्ध होंगे। या तो उन्हें वह रूस को सौंपकर चिंतामुक्त हो जाए या फिर कोई ऐसा व्यवस्था बनवा ले कि पूरे दोनबास क्षेत्र से यूक्रेन और रूस के एक समान संबंध बन जाएं। यह युद्ध तुरंत बंद होना चाहिए वरना यूक्रेन का भयंकर नुकसान तो होगा ही, विश्व राजनीति भी हिचकोले खाए बिना नहीं रहेगी। देखिए, यूक्रेन ने अमेरिका और चीन तथा भारत और चीन को एक ही जाजम पर ला खड़ा किया है। अब बाइडन और शी चिन फिंग में सीधा संवाद चलेगा और चीन के विदेश मंत्री वांग यी भी भारत आ रहे हैं। भारत और चीन दोनों ने यूक्रेन के सवाल पर जैसी तटस्थता और एकरूपता दिखाई है, वह अविश्वसनीय है। अब भारत ने रूसी तेल के लाखों बैरल भी खरीदने शुरू कर दिए हैं। यह पहल रूस को तो पश्चिमी दबाव सहने की ताकत प्रदान करेगी ही, साथ ही भारत को सस्ता तेल भी मिलेगा। यूरोपीय देशों की पूरी कोशिश है कि यह युद्ध बंद हो जाए, क्योंकि देर-सबेर उनकी रूसी तेल की सप्लाई रुक सकती है। भारत की आलोचना करनेवाले अमेरिकी सीनेटरों से मैं पूछता हूं कि आपको भारत का रूस से तेल लेना इतना आपत्तिजनक क्यों लग रहा है, जबकि यूरोपीय राष्ट्रों को उसके तेल की सप्लाई में जरा भी रुकावट नहीं आई है? यूरोपीय राष्ट्रों और अमेरिका के सांसदों को जेलेंस्की बराबर संबोधित कर रहे हैं। इन संबोधनों में वे ऐसी बातें भी कह देते हैं, जो पुतिन को चिढ़ाए बिना नहीं रह सकतीं। यदि यह मामला हल हो रहा हो तो भी ऐसी बातें उसमें बाधा बन जाती हैं। इसमें शक नहीं कि यूक्रेन की फौज और जनता ने रूस का मुकाबला काफी डटकर किया है लेकिन इस नाजुक मौके पर जेलेंस्की को भी दूरदर्शितापूर्वक व्यवहार करना चाहिए।

आ रे मेरे सप्पमपाट, मैं तुझे चाटू तू मुझे चाट !

सुनील महला

हमारे खासमखास मित्र हैं चौबे जी। होली पर मिलने आ पहुंचे। साहित्यिक आदमी हैं। बात पुरस्कारों पर चल पड़ी। हमसे कहने लगे "लेखक जी आप बहुत समय से लेखन वेखन का कार्य कर रहे हैं, साहित्य के क्षेत्र में/लेखन क्षेत्र में आपको कोई पुरस्कार वुरस्कार मिला ? हमने कहा चौबे जी "आजकल पुरस्कारों की बड़ी कहानी है, जनता इनकी दीवानी पर दीवानी है। लाट्स अप समूह, ठेसबुक पर पुरस्कार ही पुरस्कार बांटे जाते हैं। इन्हीं से इन लाटस्अप समूहों, ठेसबुक की खिल रही जवानी है। इन पर कुकरमुत्तों की तरह उगी,बसी, और सजी साहित्यिक संस्थाओं की मेहरबानी है। पुरस्कार आजकल ठेसबुक, लाटस्अप, साहित्यग्राम पर खूब बिकते हैं, हाथ जब दमड़ी समड़ी से इनके सिंकते हैं। अजी ! पुरस्कारों की बनी रेल-म-पेल है, पुरस्कार आजकल हंसी खेल हैं। पुरस्कार तो भेलपुरी चाट है, जिसको मिले उसके ठाठ है। पुरस्कार माल है, साहित्य का कमाल है, होली चली जाती है लेकिन बजती रहती इनकी बेमौसम भी धमाल पर धमाल है। पुरस्कार है खेला,नहीं ये झमेला। लगा है मेले पर मेला, कारोबार ये है खूब फैला। तुम भी बना लो पुरस्कार के लिए कोई चेला, क्या नहीं है तुममें कोई भी धेला ? अजी आज ! पुरस्कारों का रखा बड़ा मटका है, पुरस्कारों का ही तो फटका है, जिसको नहीं मिला पुरस्कार ; दिमाग उसका खटका है और यही तो उसके लिए बड़ा एक झटका है।

जिसके हाथ और जेब में है दमड़ी, खींच ली उसने पुरस्कार वालों की चमड़ी। स्वाद पुरस्कारों का उसी ने चक्खा है, धंधा लाटस्अप और ठेसबुक का जिसने चला रखा है और उनमें जिनको फंसा रखा है। हमारा पुरस्कार भी किसी लाटस्अप, ठेसबुक संस्था के पास अभी तक धरा रखा है। इकट्ठे हो रहे हमारे भी पुरस्कार पर पुरस्कार, बौरा-बारदाना दबा रखा है। अजी ! पुरस्कारों की दाल मखनी है, लाटस्अप, ठेसबुक ग्रुप बनाकर हमें भी ये चखनी है और लाज साहित्य की हमें और साहित्य को हमारी रखनी है। हमारा पुरस्कार प्राप्त करने का प्रयास लगातार जारी है, अभी शायद हमारा वक्त का पलड़ा थोड़ा भारी है। अभी पुरस्कार प्राप्त नहीं हो पा रहा है, अभी तो दाम-दमड़ी, पहुंच सहुंच वाला ही पुरस्कार पर पुरस्कार पा रहा है।

ऐसा करो आप हमें भी कोई पुरस्कार वुरस्कार दिलवाओ, हमें भी किसी लाटस्अप, ठेसबुक की सदस्यता दिलवाओ। हमारे पास रोकड़े और सेटिंग का नितांत अभाव है लेकिन आपकी कसम साहित्य से हमें खासा लगाव है।

टीवी डिबेटखोरों का रायता

रामविलास जांगिड़

जहां कहीं कचोरी देखी वहीं पूरा मुंह खोल कर खाने बैठ जाते हैं। सरकारी अफसर तो सीमेंट, सरिया, बजरी, पत्थर तक सब खा जाते हैं। भ्रष्टाचार की प्लेट में रखकर सबको आसानी से पहचान जाते हैं।

होली के अवसर पर मैंने खुद चोकोर रसगुल्ले बनाए और नूडल जैसी जलेबियां। हालांकि रसगुल्ले से रस गायब था और उन्हें खाने से दिमाग की बत्तियां गुल होने लगी थी। जलेबियां जल में ही जल-बहियां खाने लगी थी, प्रतिक्रिया स्वरूप घर की सर्वदलीय बैठक में मेरे खिलाफ संपूर्ण निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। यूट्यूब से हर पल एक नया हलवाई पैदा हो रहा है और वह रसोई से लेकर फेसबुक तक फैल रहा है। फेसबुक से हर घड़ी एक नया कवि इठला रहा है और वह वेबीनार से उड़कर रसोई के चमचे तक से खेल रहा है। ये सब होली के जलवे हैं! हर एक भारतीय पति अपनी सगी पत्नी के आगे रसोई का रायता फैला रहा है। इस घड़ी में सुन लो चटोरे पाठको! एक हाथ से रंग लगा रहा है और दूसरे हाथ से कढ़ाई में भुजिए पका रहा है। बर्फ में खड़े होकर, पत्नी श्री के सिर पर बर्फ रखते हुए बर्फी बना रहा है। पत्नी के गालों पर चासनी का रस मलते हुए रसमलाई बना रहा है। यह सारा सीन हर एक न्यूज चैनल पर बैठा डिबेटखोर आदर्श पति बनकर दिखा रहा है। बीवी डिबेटखोर अचानक टीवी डिबेटखोर बन जाता है! ये डिबेटखोर जिस किसी चैनल पर डिबेटिंग गोलगप्पे का ठेला देखते वहीं जीभ लप-लपाने लग जाते हैं। जहां कहीं कचोरी देखी वहीं पूरा मुंह खोल कर खाने बैठ जाते हैं। सरकारी अफसर तो सीमेंट, सरिया, बजरी, पत्थर तक सब खा जाते हैं। भ्रष्टाचार की प्लेट में रखकर सबको आसानी से पहचान जाते हैं। सड़क किनारे गोलगप्पे और शादी-पार्टी में रायता देखते ही हम फैलने लगते हैं। हम इतने होशियार चंद हैं कि रायता खाते भी हैं और रायता फैलाते भी हैं। वैसे रायता बनाने व फैलाने का समस्त ठेका हमने भारतीय न्यूज चैनलों को दे रखा है। एक चैनल खोर अच्छा-खासा युद्ध विशेषज्ञ के पद से पलटी मारकर गीता ज्ञान और हिजाब हालातों का एक्सपर्ट बनकर रायता फैलाने लगता है। देखते ही देखते उसका रायता टीवी की स्क्रीन से बाहर निकल कर भारतीय राजनीति से होता हुआ पाकिस्तान, बलूचिस्तान से पार होकर यूक्रेन तक फैल जाता है। टीवी डिबेटखोर कुतर्क के रायते को और ज्यादा स्वादिष्ट बनाने के लिए इसमें झूठनीति का चाट मसाला, सड़ी बातचीत की सरसों, बुलंद हौसले का सहजन, पार्टी लाइन का भुना हुआ जीरा मिलाकर अपनी डिबेटखोरी की दुकान चलाते हैं। भारतीय पति भी इस मामले में कम नहीं है।

वे अपने-अपने घरों में पत्नियों के आगे बकरी बनकर रायता बनते-बनाते हुए दिखाई देते हैं। घरों में पत्नियां पति के आगे रायता फैलाती रहती है और उजबक सा बकरियाया पति रायते को समेटता रहता है। हम ऐसे हिंदुस्तानी हैं जो रायते को फैलाने में बहुत ज्यादा माहिर होते हैं। जितना खाते नहीं है उससे दुगना तो फैलाने में विश्वास रखते हैं। बेचारे युक्रेन की पिटाई के काल में हर देश अपने ढंग से रायता फैला रहा है। न्यूज चैनल के डिबेटखोरों का रायता अलग ढंग का फैल रहा है!

आरसीबी के पूर्व ओपनर ने बताया किस नंबर पर करनी चाहिए विराट को बल्लेबाजी

नई दिल्ली। आइपीएल के 15वें सीजन की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। इस बार रायल चैलेंजर्स बैंगलोर अपने नए कप्तान फाफ डु प्लेसिस के नेतृत्व में उतरेगी। पिछले सीजन में विराट कोहली ने कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी। विराट ने हालिया कुछ अंतर्राष्ट्रीय मैचों में ओपनिंग बल्लेबाजी की थी जिसको लेकर अनुमान लगाया जाने लगा था कि शायद वो आइपीएल में भी नए रोल में दिखेंगे। लेकिन इसको लेकर आरसीबी के पूर्व ओपनिंग बल्लेबाज वसीम जाफर और पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। जाफर ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि विराट के लिए तीन नंबर सबसे उपयुक्त है इसलिए फाफ डु प्लेसिस के साथ युवा बल्लेबाज और सैयद मुश्ताक ट्राफी में शानदार बल्लेबाजी करने वाले अनुज रावत को बैटिंग करनी चाहिए। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और जाने-माने कामेंटेटर आकाश चोपड़ा ने बताया कि विराट को तीन नंबर पर बल्लेबाजी इसलिए करनी चाहिए क्योंकि अब टीम में एबी डिविलियर्स नहीं हैं। मीडिल आर्डर को मजबूती प्रदान करने के लिए जरूरी है कि विराट इस नंबर पर बल्लेबाजी करें। उन्होंने कहा कि पहले एबी संभाल लेते थे लेकिन अब वे नहीं हैं इसलिए विराट को देर तक बल्लेबाजी करनी होगी।

वसीम जाफर ने बताया कि ओपनिंग फाफ डु प्लेसिस और अनुज रावत को करनी चाहिए जबकि 3 नंबर पर विराट और 4 पर ग्लेन मैक्सवेल को आना चाहिए। 5 नंबर पर टीम के पास दिनेश कार्तिक हैं जिसे टीम एक फीनिशर के रूप में देख रही है। आरसीबी अपने आइपीएल सफर की शुरुआत 27 मार्च को पंजाब किंग्स के साथ करेगी।

लन ने रचा इतिहास, मिताली के बाद ऐसा करने वाली सिर्फ दूसरी खिलाड़ी

नई दिल्ली। महिला वनडे विश्व 2022 में भारतीय टीम का प्रदर्शन अब तक मिलाजुला रहा है। हालांकि, दिग्गज तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी कई रिकॉर्ड अपने नाम कर रही हैं। झूलन गोस्वामी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर उतरते ही एक और रिकॉर्ड अपने

नाम किया। यह उनका 200वां वनडे मैच है। महिला क्रिकेट में 200 वनडे खेलने वाली वह दुनिया की दूसरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले भारत की ही मिताली राज ने ऐसा किया है। मिताली 229 वनडे मैच खेल चुकी हैं और साथ ही सात हजार से ज्यादा रन भी बनाए है। इस दौरान मिताली का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 125 नॉटआउट का रहा है, जबकि औसत पचास के पार है।

मौजूदा टूर्नामेंट में झूलन अब तक कई रिकॉर्ड्स भी बना चुकी हैं। वह महिला वनडे क्रिकेट में 250 विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी भी हैं। इतना ही नहीं झूलन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 350 विकेट भी पूरे किए। इसके अलावा महिला वनडे विश्व कप टूर्नामेंट में झूलन के नाम ही सबसे ज्यादा विकेट चटकाने का रिकॉर्ड भी है।

लक्ष्य सेन ने किया पदक पक्का, सेमीफाइनल में पहुंचे, पुलेला गोपीचंद की बेटी ने किया उलटफेर

नई दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप में पदक के और ज्यादा करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। क्वार्टरफाइनल में लक्ष्य को वाकओवर मिला। चीन के लू गुआंग जू ने होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया। सेमीफाइनल में पहुंचकर लक्ष्य ने कांस्य पदक पक्का कर लिया है। सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना मलेशिया के ली जी जिया या जापान के केंटो मोमोटा से होगा। दूसरी ओर, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी क्वार्टर फाइनल की बाधा को पार करने में विफल रही। दोनों को इंडोनेशिया के मार्कस फर्नाल्डी गिदोन और केविन संजय सुकामुल्जो ने 47 मिनट में 24-22, 21-17 से हरा दिया। दूसरी ओर, पी गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की भारतीय जोड़ी ने ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप 2022 के महिला युगल क्वार्टरफाइनल में उलटफेर किया है। दोनों ने ली सोही और शिन सेउंगचन की दक्षिण कोरियाई जोड़ी को 14-21, 22-20, 21-15 से हराया। गायत्री और त्रिसा की जोड़ी 46वें रैंक पर है।

शूट आउट में हुआ बड़ा उलटफेर, जर्मनी ने टीम इंडिया को 2-1 से हराया

भुवनेश्वर। भारतीय महिला हॉकी टीम को यहां एफआईएच प्रो लीग के दो चरण के मुकाबले के पहले मैच में जर्मनी के खिलाफ शूट आउट में 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। कलिंगा स्टेडियम में नियमित समय के बाद दोनों टीम 1-1 से बराबरी थी।

दुनिया की नौवें नंबर की टीम भारत और पांचवें नंबर की टीम जर्मनी के बीच रोमांचक मुकाबले के नींव शुरुआती पांच मिनट में ही रखी जा चुकी थी। नवनीत कौर ने चौथे ही मिनट में भारत को बढ़त दिलाई लेकिन मेजबान टीम इस गोल का जश्न मना पाती इससे पहले अगले ही मिनट में केर्लोटा सिपेल ने स्कोर 1-1 कर दिया।दोनों टीमों को इसके बाद गोल करने के ढेरों मौके मिले लेकिन सफलता किसी को नहीं मिली जिससे 60 मिनट के नियमित समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था और मैच शूट आउट में खिंचा जहां जर्मनी की टीम ने बाजी मार ली। शूट आउट में भारत की ओर से नवनीत ही

गोल दाग सकी जबकि शर्मिला देवी, नेहा गोयल, लारेमसियामी और मोनिका नाकाम रही। जर्मनी की ओर से पॉलिन हेंज और सारा स्ट्रॉस ने गोल करके अपनी टीम को जीत दिलाई।

प्रो लीग में पदार्पण कर रही भारतीय महिला टीम ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए मस्कट में शुरुआती दो मैच में चीन को 7-1 और 2-1 से हराया था। भारत ने इसके बाद पिछले महीने दुनिया की छठे नंबर की टीम स्पेन को अपनी सरजमीं पर 2-1 से हराया था लेकिन दूसरे चरण के मुकाबले में 3-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

नियमित समय में ड्रॉ से भारत को एक अंक मिला जबकि जर्मनी ने बोनस अंक सहित दो अंक हासिल किए। हार के बावजूद भारत पांच मैच में 10 अंक के साथ तीसरे स्थान पर चल रहा है। जर्मनी की टीम तीन मैच में सिर्फ दो अंक के साथ छठे स्थान पर है। दोनों टीम के बीच दूसरा मैच यहां कलिंगा स्टेडियम में रविवार को खेला जाएगा।

मैंने अब तक जो भी हासिल किया, वह मेरा सर्वश्रेष्ठ नहीं है : नीरज

लंदन। किसी भी खिलाड़ी के लिये ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतना वास्तविक उपलब्धि होती है लेकिन भारत के भाला फेंक के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा का कहना है कि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी बाकी है और वह इस साल होने वाली प्रतियोगिताओं में 90 मीटर का आंकड़ा हासिल करने की कोशिश करेंगे।

पिछले साल तोक्यो ओलंपिक खेलो में 24 वर्षीय चोपड़ा ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में 87.58 मीटर के प्रयास से एथलेटिक्स में भारत का पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था।

वह निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बने थे। चोपड़ा ने कहा कि इस साल के उनके लक्ष्यों

में विश्व चैंपियनशिप में पदक तथा एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में अपने खिताब का बचाव करने के अलावा 90 मीटर के पार भाला फेंकना है। चोपड़ा ने एक खेल वेबसाइट से कहा, ''मुझे हमेशा लगता है कि मैंने अब तक जैसा प्रदर्शन किया है और जो कुछ भी हासिल किया है वह सर्वश्रेष्ठ नहीं है। मुझे लगता है कि मैं भविष्य में वास्तव में इससे बेहतर कर सकता हूं। यह देखकर अच्छा लगता है कि पूरा देश मुझ पर विश्वास करता है और मुझसे काफी उम्मीद रखता है।''

उन्होंने कहा, ''मैं काफी पहले से 90 मीटर तक पहुंचने की कोशिश कर रहा हूं। मुझे लगता है कि मैं निकट भविष्य में वास्तव में ऐसा कर सकता हूं। मुझ पर 90 मीटर के पार भाला फेंकने के लिये किसी तरह का दबाव नहीं है, लेकिन मैं इस साल इसे हासिल करने के लिये अपनी ताकत और गति के साथ अपनी तकनीक पर काम करूंगा।'' चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88.03 मीटर है।

नडाल भी मियामी ओपन से हटे

मियामी गार्डन्स। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज टेनिस स्टार रफेल नडाल 21 मार्च से शुरू होने वाले मियामी ओपन से हट गये हैं। मियामी ओपन में पांच बार फाइनल में पहुंच चुके नडाल ने साल के पहले ग्रैंडस्लैम आस्ट्रेलियाई ओपन में रिकॉर्ड 21वां मेजर खिताब जीता था। इसका मतलब है कि साल के पहले ग्रैंडस्लैम के पुरूष और महिला चैम्पियन दोनों ही मियामी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे क्योंकि

महिला चैम्पियन एशले बार्टी ने इस महीने के शुरू में टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया था।वहीं नोवाक जोकोविच ने टीकाकरण नहीं करवाने के कारण तीन दिन पहले घोषणा की थी कि वह इंडियन वेल्स और मियामी में नहीं खेलेंगे। टीकाकरण नहीं करवाने के कारण वह अमेरिका की यात्रा नहीं कर सकते। मियामी टूर्नामेंट निदेशक जेम्स ब्लेक ने कहा, राफा की कमी निश्चित रूप से खेलेगी। उसके यहां काफी प्रशंसक हैं और हम उम्मीद करेंगे कि वह अगले साल मियामी में खेलें।

लखनऊ सुपरजाइंट्स को लगा झटका, तेज गेंदबाज मार्क वुड आइपीएल से हुए बाहर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के शुरू होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। इससे पहले पहली बार आइपीएल खेल रही लखनऊ की टीम को झटका लगा है। दरअसल इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड दाहिनी कोहनी में चोट के कारण आइपीएल से बाहर हो गए हैं। उन्हें मेगा आक्शन में लखनऊ की टीम ने 7.50 करोड़ की बड़ी कीमत पर खरीदा था। फिलहाल इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज के साथ टेस्ट मैच खेल रही है। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन चोट लगी थी जिसके कारण वे पहली इनिंग में केवल 5 ओवर की गेंदबाजी कर पाए थे। दूसरी इनिंग में तो वे मैदान में भी नहीं उतरे थे। तभी से ये अनुमान लगाया जा रहा था कि चोट ज्यादा गंभीर है। अब स्कैन में इस बात की पुष्टि हुई है कि उनके कोहनी में समस्या है और वे अगले हफ्ते इंग्लैंड लौट आएंगे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने इस खबर पर मुहर लगा दी है कि वे वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट और आगामी आइपीएल से बाहर हो गए हैं। फिलहाल अगली सूचना तक उन्हें क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी गई है। उनकी चोट पर विशेषज्ञों की एक टीम निगरानी रखेंगे।

दूसरे टेस्ट में शाकिब महमूद ने किया था डेब्यू

उनके दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाने के बाद इंग्लैंड टीम ने 25 वर्षीय खिलाड़ी शाकिब महमूद को डेब्यू करने का मौका दिया था। वुड इंग्लैंड की तरफ से बाहर होने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। इससे पहले आली राबिनसन भी दूसरे टेस्ट में शामिल नहीं हो पाए थे। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने शाकिब की काफी तारीफ की थी और उन्हें प्रभावी और मैच्योर गेंदबाज कहा था।

कप्तान मेग लैनिंग की कप्तानी पारी के दम पर आस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर दर्ज की लगातार 5वीं जीत

आक्लैंड । भारत और आस्ट्रेलिया के बीच इडेन पार्क आक्लैंड में खेले गए मुकाबले में आस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हरा दिया है। ये उनकी वर्ल्ड कप में लगातार 5वीं जीत है और अब तक टीम किसी से भी हारी नहीं है। आस्ट्रेलिया की इस जीत में कप्तान मेग लेनिंग की बेहतरीन बल्लेबाजी का योगदान रहा जिन्होंने शानदार 97 रन बनाए। इस जीत के साथ ही आस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

278 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आस्ट्रेलिया ने शानदार शुरुआत की और पहले विकेट की साझेदारी के लिए 121 रन जोड़े। एलिसा हेले ने शानदार 72 और रिचेल हेंस ने 42 रनों का योगदान दिया। एलिसा का यह 15वां वनडे अर्धशतक है। लक्ष्य का पीछा करते हुए जब आस्ट्रेलिया का स्कोर 2 विकेट पर 225 रन था तो बारिश के कारण मैच रुक गया था। उस वक्त आस्ट्रेलिया को जीत के लिए 54 गेंदों में 53 रनों की

जरुरत थी और उसके 8 विकेट सुरक्षित थे। कप्तान मेग लेनिंग 73 और एलिसा पेरी 28 रन पर नाबाद थी। इससे पहले भारत ने टास हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मिताली राज और हरमनप्रीत के शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत 7 विकेट पर 277 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और 6 ओवर के अंदर उसके दोनों ओपनर स्मृति मंधना और शैफाली वर्मा आउट हो गई थीं।

तीसरे विकेट के लिए मिताली और यास्तिका ने 130 रन की साझेदारी कर टीम की वापसी कराई। बाद में हरमन और पूजा वस्त्राकर ने 47 गेंदों पर 64 रन जोड़कर टीम को 277 के स्कोर तक पहुंचाया। मिताली राज ने 68, यास्तिका भाटिया ने 59 और हरमनप्रीत कौर ने 57 रन की पारी खेली।

मैक्सवेल ने गर्लफ्रेंड विनी रमन के साथ शादी रचाई, सोशल मीडिया पर फोटो शेयर की

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया और आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर से खेलने वाले दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल गर्लफ्रैंड विनी रमन के साथ शादी के बंधन में बंध गए। विनी भारतीय मूल की हैं। दोनों ने एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी रचाई। विनी ने पोस्ट के साथ कई तरह के इमोजी का भी इस्तेमाल किया है। इसके साथ ही '18.3.2022' की तारीख भी लिखी गई है।

यह दर्शाता है कि दोनों शादी के बंधन में बंध चुके हैं। ग्लेन मैक्सवेल और विनी रमन दो साल से ज्यादा समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इस जोड़ी ने फरवरी 2020 में इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए सगाई की घोषणा की थी।मैक्सवेल और विनी की तस्वीरें सबसे पहले 2017 में सोशल मीडिया पर सामने आई थीं। मैक्सवेल को 2019 में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट अवॉर्ड्स के दौरान विनी रमन के साथ देखा

गया था। रमन मेलबर्न में स्थित फार्मासिस्ट है। वह ऑस्ट्रेलियाई शहर में रहने वाले एक तमिल परिवार से ताल्लुक रखती हैं।मैक्सवेल ने इस साल ऑस्ट्रेलिया के लिए पिछली बार श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज खेला था। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में श्रीलंका को 5-0 से हरा दिया था। मैक्सवेल शानदार फॉर्म में थे और वह 138 रन के साथ सीरीज में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। इसके साथ ही उन्होंने एक विकेट भी हासिल किया। मैक्सवेल अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के आगामी सत्र में आरसीबी के लिए मैदान में उतरेंगे। आरसीबी अपने अभियान की शुरुआत 27 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ डीवाई पाटिल स्टेडियम में करेगी। मैक्सवेल की शादी के कार्ड की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। यह कार्ड पूरी तरह से भारतीय अंदाज में बनाया गया था और उसमें भगवान गणेश, मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की तस्वीर भी दिख रही थी। खास बात यह था कि पूरा कार्ड तमिल भाषा में छपा था।

एम एस धौनी के साथ अपनी लड़ाई की बात पर गौतम गंभीर ने दिया कुछ ऐसा रिएक्शन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर बल्लेबाज गौतम गंभीर ने अपने साथी क्रिकेटर एम एस धौनी के साथ कथित तौर पर अपने खराब संबंधों की अफवाह के बारे में पहली बार अपना मुंह खोला। अपने मुखर व्यक्तित्व के लिए जाने जाने वाले गंभीर बोल्ड स्टेटमेंट देने से पीछे नहीं हटते हैं। कई मौकों पर बाएं हाथ के इस पूर्व बल्लेबाज ने धौनी की रणनीति और निर्णय लेने की भी आलोचना की है।

इसी को लेकर दोनों के बीच खटास की अटकलें भी लगने लगी थीं। हालांकि, गंभीर ने अब ऐसी सभी अफवाहों को खारिज करते हुए कहा है कि पूर्व भारतीय कप्तान धौनी के लिए उनके मन में बहुत सम्मान है।आपको बता दें कि धौनी और गंभीर ने लगभग एक ही समय पर अपने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर की

शुरुआत की थी और भारत के लिए काफी मैच एक साथ खेले। कई मौकों पर दोनों के बीच में कई मैच जिताऊ साझेदारियां भी हुई थीं। हालांकि गौतम गंभीर के आफ फील्ड बयानों की वजह से दोनों के बीच अनबन की अफवाहें कई बार उड़ी थीं। साल 2012 में आस्ट्रेलिया में एक ट्राई सीरीज के दौरान गौतम गंभीर ने धौनी द्वारा खेल को अंतिम ओवर तक ले जाने की आदत पर कटाक्ष किया था। गंभीर ने कई मौकों पर धौनी की कप्तानी की आलोचना भी की है, पर उन्होंने ये जरूर साफ कर दिया है कि धौनी के खिलाफ उनके मन में कुछ भी नहीं है। गंभीर ने यहां तक कह दिया कि जरूरत पड़ने पर वो धौनी के साथ खड़े होने वाले पहले व्यक्ति होंगे। गंभीर ने जतिन सप्रू के साथ यूट्यूब शो ओवर एंड आउट पर कहा कि देखो, मेरे मन में उनके लिए बहुत अधिक सम्मान है और यह हमेशा बना रहेगा।

मैंने इसे आन एयर कहा है, मैं इसे आपके चैनल पर कहूंगा, मैं इसे 138 करोड़ लोगों के सामने कहीं भी कह सकता हूं, कि अगर कभी जरूरत पड़ी, हालांकि मुझे उम्मीद है कि उसे कभी जरूरत नहीं होगी, लेकिन जीवन में कभी जरूरत पड़ने पर, उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए जो किया है, एक इंसान के रूप में जो किया है, उसके कारण मैं उनके साथ खड़ा होने वाला पहला व्यक्ति बनूंगा।

अगर रिकी पोंटिंग नहीं होते तो मैं उनका सिर काट देता, आस्ट्रेलिया के साथ अपनी प्रतिद्वंदिता पर बोले शोएब अख्तर

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को वर्ल्ड के बेहतरीन फास्ट गेंदबाजों में शुमार किया जाता है। शोएब अख्तर ने अपने समय में सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, ब्रायन लारा, रिकी पोंटिंग जैसे बल्लेबाजों के खिलाफ गेंदबाजी की थी। इनमें से रिकी पोंटिंग और शोएब अख्तर की प्रतिद्वंदिता जग जाहिर रही है। पर्थ में 1999 में पाकिस्तान के पूर्व सुपर स्पीड स्टार शोएब अख्तर ने जिस तरह की घातक गेंदबाजी की थी उसे आज भी याद किया जाता है। शोएब अख्तर ने दुनिया के सबसे उछाल वाले ट्रैक पर आग उगला था और पाकिस्तान इस मैच से पहले दो टेस्ट हार चुका था, लेकिन शोएब अख्तर अकेले ही इस टीम से लोहा लेना चाह रहे थे। शोएब अख्तर ने सिडनी मार्निंग हेराल्ड के साथ बात करते हुए अपने उस बालिंग स्पेल को याद किया और कहा कि वो मैदान पर आक्रामक मानसिकता के साथ किसी को चोट पहुंचाने के इरादे से उतरे थे। उन्होंने आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को जानबूझकर बाउंसर फेंके। उस टेस्ट के दौरान मैंने सोचा कि अगर कुछ नहीं हो रहा है तो चलो किसी को चोट पहुंचाते हैं और इस वजह से मैंने सबसे तेज स्पेल फेंकी। मैं देखना चाहता था कि क्या रिकी पोंटिंग मेरे पेस के साथ मेल खा सकते हैं और मैं जानबूझकर बाउंसर फेंक रहा था। मैं ये देखना चाहता था कि क्या मैं उसे हरा सकता हूं क्योंकि इससे पहले मैंने उसे अपनी तेज गति से कभी नहीं हराया था। शोएब अख्तर ने कहा कि अगर रिकी पोंटिंग की जगह कोई अन्य बल्लेबाज होता तो उनका सिर काट दिया होता। शोएब ने स्वीकार किया कि अगर वो रिकी पोंटिंग नहीं होते तो मैंने उनका (बल्लेबाजों का) सिर काट दिया होता क्योंकि ये बहुत ही तेज था। शोएब ने कहा कि आस्ट्रेलियाई लोगों को उनका रवैया पसंद आया क्योंकि आखिरकार विपक्षी टीम में भी उन्हें कोई खिलाड़ी नजर आया जो आस्ट्रेलियाई मानसिकता वाला था। साल 2005 में मेरी लैंगर व हेडेन के साथ लड़ाई हो गई थी। मैं उनके सामने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना चाहता था और दिखाना चाहता था कि मैं तुमसे बेहतर हूं।

पाकिस्तानः एक बार फिर धमाके से दहला बलोचिस्तान, चार सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बलोचिस्तान का सिबी जिला एक बार फिर जबरदस्त फिदायीन (आत्मघाती) हमले से दहल उठा। इस धमाके में चार सैनिकों की मौत हो गई और 10 गंभीर रूप से घायल हो गए। हमलावर की पहचान इस्लामिक स्टेट खुरासान (आईएस-के) के अब्दुल रहमान अल बकिस्तानी के रूप में हुई है। सिबी की असिस्टेंट कमिश्नर सना महजबीन ने बताया कि इस हमले को अंजाम देने के लिए आईईडी का इस्तेमाल किया गया। सभी घायल सैनिकों का इलाज चल रहा है। इनमें 6 की हालत बहुत ज्यादा नाजुक है। एक हफ्ते पहले भी आतंकियों ने बलोचिस्तान के सिबी जिले को निशाना बनाया था। तब सालाना मेले के दौरान एक ब्लास्ट में 5 जवानों की मौत हो गई, जबकि 28 लोग घायल हो गए थे। इसी महीने पेशावर में जुमे की नमाज के दौरान हुए फिदायीन हमले में कई नमाजियों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज की तरफ से हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि गत वर्षों में पाकिस्तान में अराजकता बढ़ती जा रही है। इस वजह से देश की आतंरिक सुरक्षा पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

ओआईसी बैठक : पाकिस्तान फिर भारत विरोधी एजेंडे के साथ तैयार, मुस्लिम बाहुल्य वाले 40 से ज्यादा देश करेंगे शिरकत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की बैठक में इस बार भी पाकिस्तान ने इस मंच का दुरुपयोग करने की ठानी है। उसने ओआईसी सम्मेलन के 48वें सत्र से पहले कश्मीर मसले पर भारत विरोधी एक मसौदा प्रस्ताव तैयार किया है। जबकि संगठन के कई सदस्य भारत से रिश्ते बढ़ाना चाहते हैं। इस्लामाबाद में होने जा रही इस बैठक में 40 से ज्यादा मुस्लिम देश शामिल होंगे। इस बार ओआईसी सम्मेलन 22 व 23 मार्च को पाकिस्तान दिवस परेड के साथ ही आयोजित होगा। ओआईसी के विदेश मंत्री 23 मार्च को परेड में अतिथि के रूप में भी शामिल होंगे।

पाक इससे पहले ओआईसी सम्मेलन के चार सत्रों की मेजबानी कर चुका है। इन सम्मेलनों में वह कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है। कश्मीर मसले पर मसौदा प्रस्ताव तैयार करने से स्पष्ट है कि पाकिस्तान इस बार भी कश्मीर राग अलापने से बाज नहीं आएगा। ओआईसी मंच पर भारत विरोधी मुद्दे उछालना कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी भारत ने ऐसे मुद्दे उठाने पर ओआईसी की खिंचाई की थी। वहीं, विशेषज्ञों मानते हैं कि ओआईसी के कई सदस्य भारत को एक महान विकास भागीदार के रूप में देखते हैं। हाल ही में यूएई और भारत में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता इसका सबूत है।

ब्रिटेन की विदेश सचिव लिज ट्रस मार्च के अंत में आएंगी भारत, यूक्रेन संकट पर हो सकती है चर्चा

लंदन। ब्रिटेन की विदेश सचिव लिज ट्रस रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच इस महीने के अंत में भारत का दौरा करने वाली हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दुनिया यूक्रेन में हो रही बमबारी का साक्ष्य बन रही है। बता दें कि रूस और यूक्रेन में पिछले 22 दिनों से युद्ध चल रहा है। गौरतलब है कि यूक्रेन के डोनेट्स्क और लुहान्स्क को स्वतंत्र देशों के रूप में मान्यता देने के तीन दिन बाद रूसी सेना ने 24 फरवरी को यूक्रेन में लड़ाई शुरू कर दी थी। इसके बाद से भारत समेत तामाम देशों ने इस लड़ाई को खत्म करने के लिए कई कोशिशें भी की है। ब्रिटेन की विदेश सचिव ने यूक्रेन के संकट पर हाल ही में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी बात की थी। इस बात की जानकारी देते हुए जयशंकर ने ट्वीट किया था कि ब्रिटेन की विदेश सचिव लिज ट्रस के साथ उनकी टेलीफोन पर वार्ता हुई है। उन्होंने बताया था कि यूक्रेन की स्थिति पर दोनों में गहन विचार विमर्श हुआ। वार्ता में ट्रस ने भारत और ब्रिटेन में भविष्य के लिए निर्धारित योजनाओं पर मिलकर काम करने की बात कही थी। गौरतलब है कि ट्रस आखिरी बार पिछले साल अक्टूबर में दो दिनों के लिए भारत आई थी। इस दौरान उन्होंने जयशंकर से मुलाकात की थी और कहा था कि भारत के साथ साझेदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

नहीं थम रहा रूस-यूक्रेन का युद्ध, मारियुपोल में एक थिएटर किया गया ध्वस्त

मारियुपोल (यूक्रेन)। यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि रूसी सेना ने मारियुपोल शहर में एक थिएटर को ध्वस्त कर दिया है, जहां सैकड़ों लोगों ने शरण ले रखी थी।

अभी यह पता नहीं चला है कि इस हमले में कितने लोग हताहत हुए हैं। मारियुपोल सिटी काउंसिल ने बताया कि थिएटर पर हवाई हमला किया गया।उपग्रह से तस्वीर लेने वाली मैक्सार कंपनी ने कहा कि आयी तस्वीरों में दिखायी दिया कि इमारत के सामने और पीछे रूसी में बड़े सफेद अक्षरों में ''बच्चे'' शब्द लिखा हुआ था।

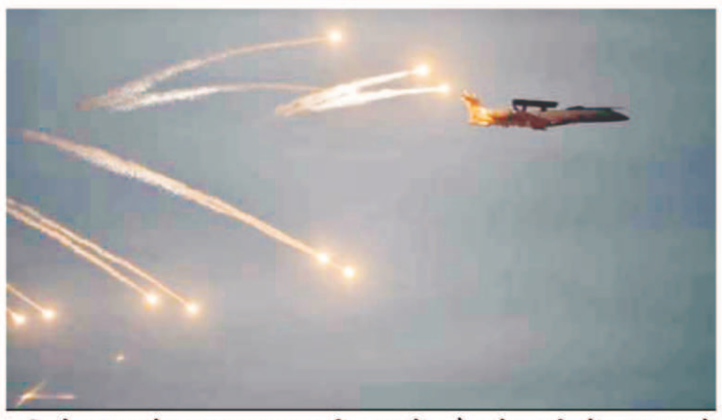

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि रूसी सैनिकों की घेराबंदी वाले मारियुपोल शहर से ज्यादा नुकसान कहीं नहीं हुआ हैं। उन्होंने बताया कि मिसाइल हमलों और गोलाबारी में 2,300 से अधिक लोगों की मौत हो गयी। 4,30,000 लोगों की आबादी वाले इस दक्षिणी बंदरगाह शहर में तकरीबन तीन हफ्तों से लड़ाई चल रही है, जिससे लोग भोजन, पानी, बिजली और दवाई के लिए तरस गए हैं।

7000 रूसी सैनिकों को मौत के घाट उतारा: यूक्रेन

यूक्रेनी सेना ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि उसने 7000 रूसी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया है। जबकि 14000 रूसी सैनिक घायल हो गए हैं।

यूक्रेनी शहर के मेयर को रूस ने किया रिहा

यूक्रेन के मेलितोपोल के मेयर को रूस ने रिहा कर दिया है लेकिन इसके बदले में रूस ने अपने 9 रूसी सैनिकों को आजाद करवा लिया है।

पुतिन युद्ध अपराधी: बाइडन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को युद्ध अपराधी के रूप में बताया है। वहीं बाइडन के बयान पर रूस राष्ट्रपति कार्यालय ने कड़ी आपत्ति जताई है।

भारतीय न्यायधीश ने रूस के खिलाफ वोटिंग की

भारत के स्टैंड के विपरीत अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में भारतीय न्यायधीश ने रूस के खिलाफ वोटिंग की है। भारत के न्यायाधीश दलवीर भंडारी ने रूस के खिलाफ अपनी वोटिंग की है। न्यायमूर्ति भंडारी को समय-समय पर आईसीजे में नामित किया जाता रहा है।

जापान में भूकंप से हाहाकार: 20 लाख घरों में बिजली गुल, चलती बुलेट ट्रेन पटरी से उतरी, सुनामी की चेतावनी जारी

फुकुशिमा। उत्तरी जापान के फुकुशिमा इलाके में शाम 7.3 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के आने से सनसनी फैल गई। इसके कुछ देर बाद ही सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई। भूकंप के आने के बाद से लोगों के बीच दहशत का माहौल है। ताजा जानकारी के अनुसार इस भूकंप में अब तक चार लोगों की मौत हुई है जबकि 126 घायल बताए जा रहे हैं। सरकार ने एहतियान कदम उठाते हुए 20 लाख से अधिक घरों की बिजली काटने का आदेश दे दिया। भूकंप के बाद उत्तरी जापान कई शॉपिंग मॉल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए।

चलती बुलेट ट्रेन पटरी से नीचे उतरी

भूकंप की तीव्रता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां एक चलती बुलेट ट्रेन पटरी से नीचे उतर गई। उस वक्त ट्रेन में लगभग 100 लोग सवार

थे। हालांकि इस दौरान कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ। जापान की ईस्ट निप्पॉन कंपनी के मुताबिक कई एक्सप्रेसवे को आवाजाही के लिए बंद कर दिया है। इसके अलावा और भी कई बुलेट ट्रेनों को बंद कर दिया गया है।

सुनामी की चेतावनी जारी

जापान के मौसम विभाग ने बताया है कि देश के उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र में सुनामी का अलर्ट जारी किया गया है। भूकंप के असर से फुकुशिमा के तट पर तीन फुट तक की लहरें उठ सकती हैं। हालात पर नजर रखी जा रही है।

रातभर महसूस किए गए झटके

जापान में भूकंप रात 8.06 बजे आया था। इसका केंद्र टोक्यो से 297 किमी दूर था। इससे पूर्वी जापान में व्यापक तबाही की खबर है। पूर्वी जापान के बड़े हिस्से में रात भर झटके आए। कुछ झटकों की तीव्रता 7.4 तक आंकी गई। ड्रोन से ली गई तस्वीरों में मियागी प्रांत के शिरोशी में एक बुलेट ट्रेन पटरी से उतरी दिख रही है। टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी के अनुसार भूकंप के कारण जापान के करीब 20 लाख घरों की बिजली गुल हो गई है। भूकंप के यह झटके बेहद तेज थे। जिनके बाद सुनामी का अलर्ट जारी किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र न्यायालय ने रूस से यूक्रेन में सैन्य अभियान बंद करने को कहा

द हेग। संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च अदालत ने रूस को यूक्रेन में युद्ध रोकने का आदेश दिया। हालांकि कई लोगों को संदेह है कि रूस इसका पालन करेगा।दो सप्ताह पहले यूक्रेन ने इस अंतरराष्ट्रीय न्यायालय से हस्तक्षेप का अनुरोध किया था और दलील दी थी कि रूस ने उस पर नरसंहार का झूठा आरोप लगाकर 1948 की नरसंहार संधि का उल्लंघन

किया एवं उसकी (नरसंहार के आरोप की) आड़ में उस पर हमला कर दिया। अदालत के अध्यक्ष अमेरिकी न्यायाधीश जोन ई डोनोगुई ने कहा, ''रूसी संघ ने 24 फरवरी, 2022 को जो सैन्य अभियान शुरू किया था, उसे वह तत्काल बंद करे।'' जो देश इस अदालत के आदेश को मानने से मना कर देते हैं ,उनका मामला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भेजा जाता है जहां रूस को वीटो का अधिकार प्राप्त है।

इस्राइल में मिला नया वैरिएंट : चीन में केस बढ़ने के बाद नई चुनौती, ओमिक्रॉन के दो स्ट्रेनों का मिलाजुला रूप

तेल अवीव। वैश्विक महामारी कोरोना को लेकर एक बार फिर चिंताजनक खबरें आने लगी हैं। चीन में नई लहर फैलने और तेजी से रोगी बढ़ने के बाद अब इस्राइल में कोरोना के नए वैरिएंट की हलचल है। यह ओमिक्रॉन के दो स्वरूपों को मिलकर बना नया वैरिएंट है। इसके नाम व लक्षणों तथा निपटने के उपायों को लेकर अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं है। बहरहाल इस्राइल ने बुधवार को नया कोविड वैरिएंट मिलने की पुष्टि की है।

इस्राइल में मिला नया वैरिएंट ओमिक्रॉन बीए.1 और बीए.2 का मिला जुला रूप बताया गया है। एक फ्लाइट से बेन गुरियान एयरपोर्ट पर पहुंचे दो किशोरों में यह वैरिएंट मिला है। इस नए वैरिएंट का अभी नामकरण नहीं हुआ है। दोनों किशोरों में बुखार के हल्के लक्षण, सिरदर्द व मांसपेशियों में दर्द महसूस हुआ है। इस्राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि नए वैरिएंट को लेकर शोध जारी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक नैचमैन एश का कहना है कि हो सकता है यह इस्राइल में ही पनपा हो? यह भी हो सकता है कि दोनों यात्री विमान में सवार होने के पहले से संक्रमित हों? नया वैरिएंट कितना चिंताजनक है? इसे लेकर इस्राइली विशेषज्ञों का कहना है कि दो स्ट्रेनों के मिलने से तीसरा वैरिएंट बनना आम बात है। जब एक जैसे सेल के दो वायरस मिलते हैं तो ये तेजी से बढ़ते हैं और उनमें आनुवंशिक गुणों का आदान-प्रदान होता है। इस तरह

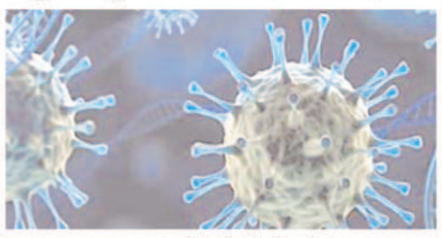

नए वायरस का जन्म होता है। ये कितने खतरनाक या चिंताजनक हैं, इस बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। बता दें, ओमिक्रॉन पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में पाया गया था। यह कोरोना का सबसे तेजी से फैलने वाला संक्रमण माना गया है, हालांकि इससे मौतों व संक्रमितों का आंकड़ा डेल्टा वैरिएंट के मुकाबले बहुत कम रहा है। अब देखना होगा कि इस्राइल में ओमिक्रॉन के दो स्ट्रेनों से मिलकर बना नया वैरिएंट क्या गुल खिलता है और इससे बचाव में कोरोना रोधी टीके किस तरह कारगर होते हैं।

अंतरिक्ष से सूटकेस के जरिये होगी सामान की डिलीवरी, स्टार्टअप कंपनी ने बनाया विशेष कैप्सूल

वाशिंगटन। अमेरिका की एक स्टार्टअप कंपनी ने एक ऐसा विशेष स्पेस कैप्सूल बनाया है, जो बाहरी अंतरिक्ष से दुनिया के कोने-कोने में सामान पहुंचाने का काम करेगा। इस तकनीक से दुनिया में सामान पहुंचाने के तंत्र और आपूर्ति श्रृंखला के तंत्र में बहुत बड़ा बदलाव आने की संभावना है। अमेरिका की 'इनवर्जन स्पेस' नामक कंपनी के मुताबिक, वह अपने नए स्पेस कैप्सूल के जरिये दुनिया में कहीं भी अंतरिक्ष से सामान पहुंचा सकती है। लास एंजेलिस की इस स्टार्टअप कंपनी ने साल 2021 में एक करोड़ डॉलर जुटाए हैं। इससे वह अंतरिक्ष से पृथ्वी पर सामान लाने के लिए एक रीएंट्री कैप्सूल विकसित कर सके। कंपनी इस वापसी यान को व्यवसायिक और रक्षा उद्योगों के लिए बनाना चाहती है, जिससे वैश्विक आपूर्ति वितरण करने के साथ साथ स्पेस स्टेशन से आपूर्ति और वापसी में मदद कर सकता है। यह रीयूजेबल कैप्सूल अंतरिक्ष से कई बार आने जाने में सक्षम होगा और साथ ही अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में भी सामान पहुंचा सकेगा। कंपनी को उम्मीद है कि इसकी सरकारी और निजी दोनों ही क्षेत्रों में मांग बढ़ेगी और कैप्सूल किसी भी तरह के व्यवसायिक यान प्रक्षेपित कर सकेगा। नासा भी इस तरह के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए शोध कर रहा है और निजी क्षेत्र को बढ़ावा दे रहा है। रीयूजेबल कैप्सूल नए अंतरिक्ष बाजार में काफी बड़ा योगदान दे सकता है। इस समय कंपनी एक चार फीट

के व्यास के कैप्सूल को विकसित करने पर काम कर रही है। इसमें इस आकार के सूटकेस में समा जाने वाला सामान ले जाया जा सकेगा।

पैराशूट परीक्षण

इस विशेष तरह के सूटकेस और उसके तंत्र के साल 2025 तक विकसित होने की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल 1.5 फीट के व्यास के कैप्सूल (रे) का परीक्षण किया जा रहा है। यह तकनीकी प्रदर्शक के रूप में काम करेगा।

गलवान के बाद चीन के विदेश मंत्री का पहली बार हो सकता है भारत का दौरा

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी इस महीने के अंत में भारत की यात्रा कर सकते हैं, लेकिन इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। यह जानकारी इस मामले से अवगत लोगों ने बुधवार को दी। संभावित यात्रा को लेकर विदेश मंत्रालय या चीन की सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

यदि यह यात्रा होती है, तो यह मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के बीच गतिरोध शुरू होने के बाद चीन के किसी वरिष्ठ नेता की भारत की पहली यात्रा होगी। पता चला है कि यात्रा का प्रस्ताव चीन की ओर से आया था और वांग चार देशों की अपनी यात्रा के तहत नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की भी यात्रा करना चाहते हैं। नेपाल के 'काठमांडू पोस्ट' ने मंगलवार को बताया कि वांग दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर 26 मार्च को नेपाली राजधानी पहुंचने वाले हैं।यह स्पष्ट नहीं है कि वांग की नयी दिल्ली की संभावित यात्रा काठमांडू की यात्रा के बाद होगी या उससे पहले। पिछले डेढ़ साल में, विदेश मंत्री एस.

जयशंकर और वांग ने पूर्वी लद्दाख में तनाव को कम करने के लिए मॉस्को और दुशांबे में कई दौर की बातचीत की। सितंबर 2020 में, जयशंकर और वांग ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन के इतर मास्को में व्यापक बातचीत की थी, जिस दौरान वे पूर्वी लद्दाख सीमा गतिरोध को हल करने के लिए पांच सूत्री सहमति पर पहुंचे थे। इसमें सैनिकों को जल्दी पीछे हटाने, तनाव को बढ़ाने वाली कार्रवाई से बचने, सीमा प्रबंधन पर सभी समझौतों और प्रोटोकॉल का पालन करने और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति बहाल करने के कदम जैसे उपाय शामिल थे। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने पिछले साल जुलाई में ताजिकिस्तान के राजधानी शहर दुशांबे में एससीओ की एक अन्य बैठक के इतर द्विपक्षीय बैठक भी की थी, जिसमें सीमा रेखा पर ध्यान केंद्रित किया गया था। वे सितंबर में दुशांबे में फिर मिले। भारत लगातार इस बात पर जोर देता रहा है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

मस्क ने पुतिन को दी आमने-सामने की लड़ाई की चुनौती

वाशिंगटन। रूस की ओर से यूक्रेन पर बर्बर हमलों का सिलसिला जारी है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेना ने अब अन्य ठिकानों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। इसी बीच यूक्रेन को लगातार अपने स्टारलिंग नेटवर्क के जरिए इंटरनेट मुहैया कराने वाले एलन मस्क का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने एक ट्वीट करते हुए कहा मैं व्लादीमीर पुतिन को आमने सामने की लड़ाई के लिए चुनौती देता हूं। दांव पर यूक्रेन होगा। अपने अगले ट्वीट में मस्क ने रूसी भाषा में कहा कि क्या आप इस लड़ाई के लिए तैयार हैं? इस ट्वीट पर एक यूजर ने लिखा कि यह लड़ाई मात्र 10 सेकंड में खत्म हो जाएगी। इस पर एलन मस्क ने सहमति जताई। उधर, यूक्रेन के प्रधानमंत्री मायखाइलो पिदुरु भी शामिल हुए और कहा कि पुतिन को जूपिटर

पर भेजने का विकल्प हमेशा रहता है। हम उन्हें जूपिटर पर भेज सकते हैं। उन्होंने एक लिंक साझा करते हुए लिखा कि लोग रूस के खिलाफ यूक्रेन की लड़ाई का समर्थन करने के लिए दान कर सकते हैं।

जेलेंस्की ने युद्ध के बाद मस्क को यूक्रेन आने का दिया आमंत्रण

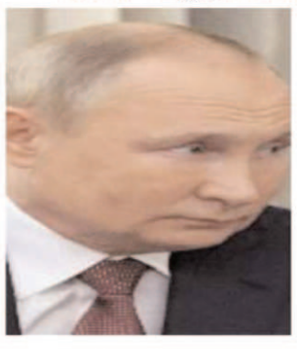

हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने टेस्ला के संस्थापक और सीईओ एलन मस्क को युद्ध के बाद अपने देश का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया है। इस बैठक का एक वीडियो यूक्रेन में राष्ट्रपति के स्टाग्राम पर पोस्ट किया गया।

गौरतलब है कि रूस के हमलों का सामना कर रहे यूक्रेन की सहायता के लिए एलन मस्क भी आगे आए थे। यूक्रेन के उपप्रधानमंत्री के गुहार लगाने पर मस्क ने तत्काल यूक्रेन को अंतरिक्ष से इंटरनेट देना शुरू कर दिया था। यूक्रेनी नेता ने मस्क को ट्वीट कर कहा था कि रूस की ओर से लगातार साइबर हमले किए जा रहे हैं और आपके सहायता की तत्काल जरूरत है। इसके जवाब में मस्क ने कहा था, स्टारलिंक (इंटरनेट) सेवा अब यूक्रेन में सक्रिय है। कई और टर्मिनल रास्ते में है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
211019 से प्रकाशित
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506

अमेरिका में हुए 9/11 हमले का पाकिस्तानी मास्टरमाइंड मृत्युदंड से बच सकता है : रिपोर्ट

न्यूयॉर्क। अमेरिकी अभियोजकों ने पाकिस्तानी आतंकवादी और 9/11 हमले के मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद और ग्वांतानामो बे हिरासत शिविर में बंद चार अन्य लोगों के साथ एक समझौते पर बातचीत शुरू कर दी है। इस समझौते के परिणामस्वरूप इन कैदियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदला जा सकता है। मीडिया की एक खबर में यह कहा गया है। अखबार 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की खबर में कहा गया है कि ऐसा होने से मृत्युदंड की वकालत कर रहे पीड़ितों के परिवारों को निराशा होगी। न्यूयॉर्क में 11 सितंबर, 2001 को आतंकवादी हमले में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (डब्ल्यूटीसी) के दो टॉवर को निशाना बनाया गया था।हमले में कई भारतीयों सहित लगभग 3,000 लोगों की मौत हो गई थी। अखबार के मुताबिक, जल्द किसी समझौते की उम्मीद नहीं है, लेकिन दोषी की दलीलों से सजा के आजीवन कारावास में बदलने से अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन को 'ग्वांतानामो बे' में हिरासत अभियान को समाप्त करने की अपनी योजना को बदलना पड़ सकता है और इसके बजाय इसे कुछ लोगों के लिए एक सैन्य जेल के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। खबर के अनुसार, 58 वर्षीय शेख और चार अन्य सह-प्रतिवादियों के लिए ''अभियोजकों ने वकीलों के साथ बातचीत शुरू कर दी है'' ताकि ''एक संभावित समझौते पर बातचीत की जा सके जो मृत्युदंड की संभावना को खत्म कर देगा।'' अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्वांतानामो बे में वर्षों से चल रहे मामले

को आजीवन कारावास में बदला जा सकता है। मामला शुरू होने के लगभग एक दशक बाद, सैन्य न्यायाधीश ने मुकदमा आरंभ करने की तारीख निर्धारित नहीं की है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान, इस तरह की बातचीत का प्रयास असफल रहा था और आरोपी साजिशकर्ताओं ने मांग की थी कि वे ग्वांतानामो में अपनी सजा काटना चाहते हैं, जहां वे प्रार्थना और समूहों में भोजन कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी कोलोराडो की सुपरमैक्स जेल नहीं जाना चाहते हैं, जहां कैदियों को दिन के 23 घंटे तक एकांतवास में रखा जाता है।मामले में प्रमुख अभियोजक क्लेटन ट्रिवेट ने रक्षा टीम को लिखा कि वे चर्चा करें कि ''क्या सभी पांच मामलों के लिए सुनवाई पूर्व समझौता संभव है।'' रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि इस मामले में एक मुख्य मुद्दा यह है कि शेख के अलावा कितने अभियुक्त पैरोल की संभावना के बिना आजीवन कारावास की सजा काटेंगे और क्या हमलों में कम भूमिकाओं वाले कुछ अभियुक्तों को छोटी सजा मिलेगी। दो अभियुक्तों सऊदी के कैदी मुस्तफा अल-हौसावी और पाकिस्तानी नागरिक एवं शेख के भतीजे अम्मार अल-बलूची के वकीलों ने अपने मुवक्किलों को 9/11 की साजिश से अनभिज्ञ बताया है। अभियुक्तों ने कुछ अपहर्ताओं को धन हस्तांतरण और संयुक्त अरब अमीरात से यात्रा व्यवस्था में मदद की थी।